पीएम मोदी ने की गुजरात के सीएम से मुलाकात

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# लोक शक्ति



पंजाब आप विधायक रमन अरोड़ा फिर गिरफ्तार, तीन दिन के रिमांड पर

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 251 | रायपुर | शुक्रवार 05 सितंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25


### आजादी के बाद सबसे बड़ा फैसला! जीएसटी सुधार दिवाली से पहले 'डबल धमाका'

# कांग्रेस ने बजट बढ़ाने का और हमने कम करने का काम किया: प्रधानमंत्री

एजेंसी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत की. उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षकों का काम कक्षाओं से कहीं आगे तक जाता है. वे युवा शक्ति के चरित्र निर्माण और जिज्ञासा को बढ़ावा देते हैं. इसके अलावा उन्होंने बताया कि तस्ज्ञ अब और भी ज्यादा आसान हो गया है.

### आजादी के बाद सबसे बड़ा फैसला

पीएम मोदी ने आगे कहा, आजादी के बाद ये अब तक का सबसे बड़ा फैसला है. उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ बदलाव होते रहना चाहिए. पीएम ने कहा कि त्योहार से पहले खुशियों का वादा किया था उसे पूरा किया है. नवरात्रि से नई पीढ़ी का सुधार लागू हो जाएगा. उन्होंने कहा कि जीएसटी कम करने से घर के बजट में भी फायदा होगा।

### GST स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'जीएसटी स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक था... असल में ये सुधार देश के लिए समर्थन और विकास की डबल खुराक हैं. एक तरफदेश के आम लोगों की बचत होगी और दूसरी तरफदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी.'



पीएम ने आगे कहा, 'जब आठ साल पहले जीएसटी लागू हुआ था, तब कई दशकों का सपना पूरा हुआ. यह चर्चा मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू नहीं हुई थी. इस पर पहले भी बातें होती थीं, लेकिन कभी काम आगे नहीं बढ़ पाया.'

महंगाई दर भी नियंत्रण में है. भारत की ग्रोथ की 8 प्रतिशत है. दुनिया हम सबसे तेज गति से ग्रो कर रहे हैं. भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ये सिलसिला यूं ही चलता रहेगा।

### विपक्ष पर साधा निशाना

कांग्रेस राज में जनता बहुत दुखी थी. किसान भी बहुत परेशान थे. खेती किसानी के सामान पर भी कांग्रेस सरकार बहुत ज्यादा टैक्स लगाती थी. लेकिन हमारी सरकार ने जीएसटी 0 या फिर 5 फीसदी तक ही लगाया है. हमारे नौ जवानों को ज्यादा रोजगार मिले, छोटे व्यापारियों को ज्यादा आसानी इसका भी ध्यान रखा गया है. जीएसटी की दरों से कारोबारियों को बड़ा सहारा मिलने वाला है.

### टैक्स प्रकियाओं को किया सरल

कपड़ों और जूतों की कीमतों में भी बहुत कमी आने वाली है. छोटे व्यापारी के साथ-साथ टैक्स प्रक्रियाओं को सरल कर दिया है. फिटनेस के सेक्टर में भी लोगों को फायदा होगा. जिम, योगा समेत अन्य सेहत के चीजों में टैक्स कम किया गया है. हमारा योगा फिट भी होगा और हिट भी होगा. मोटापा हमारे देश के लिए बहुत चिंता का विषय है. इसलिए तेल का कम इस्तेमाल करें।

## केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया



नईदिल्ली,एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अमृतसर, कपूरथला और गुरदासपुर जिले के गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद किया और पानी से भरे खेतों में उतरकर फसलों के नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान किसानों ने केंद्रीय मंत्री को फसलों के भारी नुकसान की जानकारी दी, जिस पर शिवराज सिंह ने कहा कि किसान भाई-बहन चिंता ना करें, सरकार उनके साथ है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के सुबह अमृतसर पहुंचने पर बाढ़ की स्थिति को लेकर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने केंद्रीय मंत्री से हवाईअड्डे पर भेंट की और उन्हें बाढ़ से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी, वहीं अन्य पदाधिकारियों ने भी केंद्रीय कृषि मंत्री को बाढ़ की गंभीर स्थिति के बारे बताया।

## दुर्गोत्सव से पूर्व बंगाल में पीएम का दौरा रद्द

### अमित शाह करेंगे बंगाल में दुर्गा पूजा मंडपों का उद्घाटन

कोलकाता दुर्गा पूजा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बंगाल दौरा नहीं होगा। लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बंगाल आ रहे हैं। अमित शाह महालया के अवसर पर कोलकाता आने का कार्यक्रम है। अगले दिन वे दो पूजा मंडपों का उद्घाटन करेंगे। भाजपा सूत्रों ने यह जानकारी दी है। वैसे भाजपा सूत्रों ने बताया कि, लेकिन पीएम का दुर्गा पूजा से पहले बंगाल दौरा नहीं होगा। प्रधानमंत्री इसी महीने की 20 तारीख को राणाघाट में एक प्रशासनिक और राजनीतिक बैठक करने वाले थे। बंगाल भाजपा नेतृत्व ने इसकी तैयारियां ज़ोर-शोर से शुरू कर दी थीं। लेकिन अचानक दिल्ली से प्रधानमंत्री की सभा स्थगित करने का संदेश आ गया। हालांकि, बैठक स्थगित करने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया। यह भी बताया गया कि स्थगित की गई बैठक कब होगी और होगी भी या नहीं, इसकी कोई जानकारी नहीं है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व बंगाल में होने वाले 26 विधानसभा चुनावों पर नज़र रखते हुए बार-बार बंगाल आ रहा है।

## एनडीए का बिहार बंद : माँ का अपमान नहीं सहेगा बिहार

**सोनपुर** । एनडीए के द्वारा आयोजित बिहार बंद के दौरान सोनपुर विधानसभा के दिघवारा बाजार में शांतिपूर्ण तरीके से बंद किया गया। इस आंदोलन के उद्देश्य और माँ एवं नारी सम्मान के संदेश को सशक्त रूप से समर्थन लोगों द्वारा मिला। भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने कहा कि आज पूरा देश और विशेषकर बिहार की जनता माँ की गरिमा और नारी सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट है।

## बंगाल विधानसभा में बीजेपी-टीएमसी विधायकों में मारपीट, भाजपा व्हिप चीफ घायल

कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब बीजेपी के मुख्य सचेतक शंकर घोष और अन्य विधायकों की विधानसभा के मार्शलों और सुरक्षा कर्मियों के साथ तीखी झड़प हो गई. इस टकराव में शंकर घोष को चोटें आई हैं.

इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने विपक्षी नारेबाजी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाषण में बाधा डालने के लिए बीजेपी व्हिप चीफ को सदन से निलंबित कर दिया था. इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई.

शुरुआती जानकारी के अनुसार, सबसे पहले विधानसभा में हंगामे को लेकर विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने विपक्ष के व्हिप चीफ शंकर घोष को नारेबाजी और मुख्यमंत्री के भाषण में बाधा डालने के कारण निलंबित कर दिया, लेकिन शंकर घोष ने बाहर जाने से इनकार कर दिया. शुभेंदु अधिकारी ने इस घटना के एक वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शेयर किया है.

**बीजेपी विधायक और मार्शलों में हाथापाई** शंकर घोष के बाहर जाने से इनकार करने पर विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शलों और सुरक्षाकर्मियों को उन्हें सदन से बाहर ले जाने का निर्देश दिया. इस दौरान बीजेपी विधायकों और मार्शलों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई और देखते धक्का-मुक्की हाथापाई में बदल गई. इस झड़प में शंकर घोष के चश्मे टूट गए और उन्हें चोटें आई.

**TMC ने किया हमारे MLA से दुर्व्यवहार'** बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि मार्शलों ने उनके विधायकों के साथ दुर्व्यवहार किया, जिसमें शंकर घोष को गंभीर चोट आई हैं. शुभेंदु ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि ये संसदीय लोकतंत्र पर हमला है. हमारे विधायकों के साथ मार्शलों ने बदसलूकी की और शंकर घोष को चोट पहुंचाई।

## जीएसटी में बदलाव देश की अर्थव्यस्था में मील का पत्थर साबित होंगे : सीएम रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली एजेंसी।** दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि जीएसटी काउंसिल के नए सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले हैं और आने वाले वर्षों में यह मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी को पूरी तरह से शून्य करने को भी एक ऐतिहासिक कदम बताया। जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद घोषित नए सुधारों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली के नागरिक इन सुधारों का हृदय से स्वागत करते हैं। उन्होंने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन निर्णयों से आम नागरिक को सीधा लाभ मिलेगा।

## ममता बनर्जी अब बंगाल की मुख्यमंत्री बने रहने लायक नहीं -भाजपा

एजेंसी

आज दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान गौरव भाटिया ने सीएम ममता बनर्जी को ममता अराजक बनर्जी कहते हुए कहा कि ममता बनर्जी विधानसभा के पटल पर संविधान को तार तार करती हैं। गुंडागर्दी क्या होती है, ये लाइव टीवी पर दिखाती हैं, ये दुख की बात है। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा के पटल पर बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पटल पर मार्शल को इशारा कर बीजेपी जो पश्चिम बंगाल में विपक्ष में हैं, उसके विधायकों के साथ हाथापाई की जाती है। बीजेपी के विधायक वहां पर पीटे जाते हैं, बेहोश हो जाते हैं, चोटिल हो जाते हैं, उनको एम्बुलेंस में बैठकर अस्पताल ले जाया जाता है। इसे ममता अचारक बनर्जी करवा रही हैं, गुंडों से सीख लेने वाली, लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली, जो अपने को मुख्यमंत्री कहते हैं, लेकिन वो मुख्यमंत्री रहने लायक नहीं रह गई हैं।

बीजेपी बंगाल के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया है। इसको लेकर लिखा गया है, ÷विधानसभा पर हमला करके सत्ता में आई ममता बनर्जी अब उसी पवित्र सदन में विपक्षी विधायकों पर हमला कर रही हैं। उन्होंने आज वही गलती की जो कभी CPIM ने की थी। अब TMC का अंत हो गया है। TMC सड़क पर लड़ाई चाहती है। तो फिर बिना सुरक्षा के सड़कों पर उतर आओ। जनता तुम्हारा इंतजार कर रही है।÷

बीजेपी बंगाल ने एक वीडियो शेयर करके लिखा, ÷बंगाल विधानसभा में टीएमसी ने भाजपा पर इसलिए हमला किया क्योंकि हम भारतीय सेना के गौरव के लिए खड़े थे, क्योंकि हमने अपने मतुआ, आदिवासी, अनुसूचित जाति और हिंदू भाई-बहनों के अपमान के खिलाफ आवाज उठाई थी, और क्योंकि हमने नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में हुए घोटालों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। यह अपमान कभी नहीं भुलाया जाएगा। हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

**जीएसटी** | सिर्फ 5 और 18 फीसदी का स्लैब रहेगा -

## 'जीएसटी सुधारों से परिवारों को मिलेगी राहत' नए बदलाव 22 सितंबर से लागू होंगे

**एजेंसी।** दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में आज हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक कई अहम फैसलों के साथ खत्म हुई. बैठक में सभी राज्यों ने मिलकर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की सिफारिशों को मंजूरी दी. इन फैसलों का सीधा असर सरकार की कमाई और आम लोगों की जेब पर दोनों पर पड़ेगा. नए बदलाव 22 सितंबर से लागू होंगे।

सबसे बड़ी राहत आम जनता को हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर मिली है. अब तक इस पर 18% जीएसटी देना पड़ता था, लेकिन अब हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस को पूरी तरह टैक्स छूट की कैटेगरी में डाल दिया गया है. इससे इंश्योरेंस लेना सस्ता हो जाएगा. माना जा रहा है कि अब इंश्योरेंस का दायरा और ज्यादा बढ़ेगा.

**सिर्फ5 और 18 फीसदी का स्लैब रहेगा** - अब सरकार ने जीएसटी के दो स्लैब खत्म कर दिए हैं. यह फैसला करीब 10 घंटों तक चली मीटिंग में लिया गया. अब सिर्फ5 और 18 फीसदी का जीएसटी स्लैब रहेगा. सरकार ने 12 और 28 फीसदी के स्लैब को खत्म कर दिया है. लग्जरी प्रोडक्ट्स और सिन गुड्स पर अब 40 फीसदी जीएसटी लगेगा.

**48 हजार करोड़ का नुकसान**

अनुमान है कि काउंसिल के फैसलों से सरकार को कुल 48 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होगा. रेट रेशनलाइजेशन से करीब 93,000 करोड़ का नुकसान होगा. वहीं सिन गुड्स टैक्स बढ़ोतरी से करीब 45,000 करोड़ की कमाई होगी. इस तरह घाटे और मुनाफे को मिलाकर सरकार को 48 हजार करोड़ रुपये का कुल नुकसान होगा.

अब तक स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर 18% जीएसटी लगता था. काफी लंबे वक्त से इसे हटाने की मांग की जा रही थी. नई व्यवस्था के तहत इन्हें एक्सेम्पशन की कैटेगरी में डाल दिया गया है. इसका सीधा फायदा उन लोगों को होगा जो अपने और परिवार के लिए बीमा लेते हैं. देखा जाए तो अब आपके लिए बीमा लेना सस्ता हो जाएगा. जिन्होंने पहले से ही बीमा लिया हुआ है, उनके लिए अब रिन्यूअल सस्ता हो सकता है।

# डिफेंस से लेकर सेमीकंडक्टर तक भारत-सिंगापुर के बीच हुई बड़ी डील

एजेंसी

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग तीन दिनों के भारत दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच किन मुद्दों पर बातचीत हुई इस बात की जानकारी सचिव (ईस्ट) पी. कुमारन ने दी।

**'पांच एमओयू हुए संपन्न'**

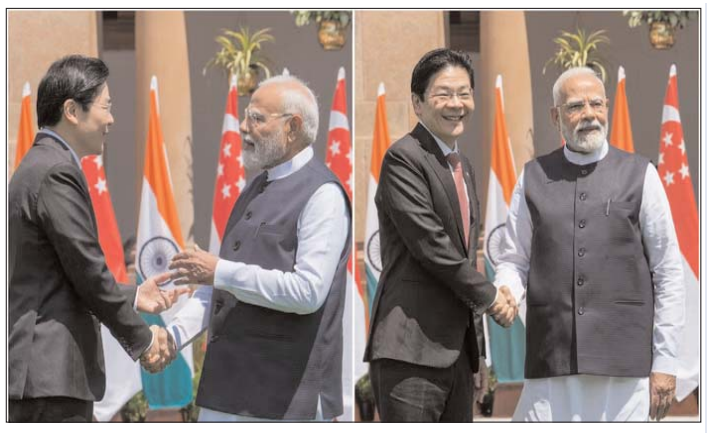

सचिव कुमारन ने कहा, ÷महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पांच समझौता ज्ञापन संपन्न हुए हैं। इनमें हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर पर सहयोग, अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना, नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अनुसंधान एवं विकास में सहयोग, डिजिटल परिसंपत्ति नवाचार में सहयोग और चेन्नई में उन्नत विनिर्माण में कौशल विकास के लिए एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना शामिल है।÷

**इन बातों पर बनी सहमति** - रक्षा सहयोग को भी द्विपक्षीय साझेदारी के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया। तीनों सेनाओं सहित दोनों पक्षों के बीच आदान-प्रदान और प्रशिक्षण सहयोग के साथ-साथ सहभागिता को और बढ़ाने पर सहमति हुई। रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी सहमति हुई। हमारे सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति हुई। दोनों प्रधानमंत्रियों ने आसियान के साथ भारत के संबंधों पर भी चर्चा की और सिंगापुर हमेशा से भारत की एक्ट-ईस्ट नीति में एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है।÷ पी कुमारन ने कहा, ÷पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान हमने सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम साझेदारी पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया था। इस समझौता ज्ञापन के तहत, हमने एक द्विपक्षीय सेमीकंडक्टर नीति वार्ता स्थापित की है और दोनों पक्ष भारत में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए निवेश, व्यापार-से-व्यापार संबंध, कौशल विकास और अनुसंधान एवं विकास पर काम कर रहे हैं, जिससे आने वाले वर्षों में यह सहयोग का एक बहुत ही आशाजनक क्षेत्र बन जाएगा।÷



### एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य', पीएम मोदी बोले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। हमारा मानना है कि सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। मैं पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति व्यक्त की गई संवेदनाओं और आतंकवाद के खिलाफहमारी लड़ाई में उनके समर्थन के लिए प्रधानमंत्री वांग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए हुए समझौते से समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा। भारत अपने बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें सिंगापुर का अनुभव बेहद उपयोगी है। आज हमने सिंगापुर की कंपनी पीएसए इंटरनेशनल की ओर से विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इससे हमारी कंटेनर हैंडलिंग क्षमता में और वृद्धि होगी। सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और शांति एवं स्थिरता के संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आसियान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'

## नेपाल ने किया बड़ा डिजिटल स्ट्राइक 26 सोशल मीडिया ऐप्स पर लगा ताला

एजेंसी

Facebook, X, Instagram समेत 26 सोशल मीडिया ऐप्स पर बड़ा स्ट्राइक किया गया है। फेसबुक, एक्स, यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म अब नेपाल में यूज नहीं किए जा सकेंगे। पिछले सप्ताह 28 अगस्त को नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉम को देश में ऑपरेट करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा था। फेसबुक, यूट्यूब जैसे प्लेटफॉम ने डेडलाइन खत्म होने के बाद भी रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया, जिसकी वजह से सरकार ने इन प्लेटफॉर्म को बैन करने का फैसला किया है। नेपाल की मिनिस्ट्री ऑफ कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी ने पब्लिक नोटिस जारी करते हुए कहा कि टेलीकॉम ऑथिरिटी ने देश के सभी बिना रजिस्ट्रेशन वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को बैन करने का फैसला किया है। मंत्रालय के प्रवक्ता गजेंद्र ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉम पर प्रतिबंध लगाने का जानकारी शेयर करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि सोशल मीडिया प्लेटफाम उन्हें अप्रोच करेंगे, इसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है।

### इस वजह से लगा बैन -

नेपाल टेलीकॉम ऑथिरिटी ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों के आधार पर इन सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बैन करने का फैसला किया है। पिछले सप्ताह वहां की सुप्रीम कोर्ट ने 2023 के सोशल मीडिया के इस्तेमाल और उसे मैनेज करने वाले डायरेक्टिव वाले नियम के आधार पर सभी देसी और विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को 3 सितंबर तक रजिट्रेशन कराने का निर्देश जारी किया था।

# समता मूलक समाज के निर्माण में बाबा साहेब आम्बेडकर की अहम भूमिका - रामदास अठावले

- 0 प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण कोष से छत्तीसगढ़ के एसटी एससी समुदाय को एक करोड़ 88 लाख, 990 रूपए का ऋण स्वीकृत हुआ
- 0 प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्धन वर्ग को एक करोड़ मकानों की सौगात मिली
- 0 राजा चक्रधर सिंह कला समारोह में भाग लेने एक दिवसीय प्रवास पर रायगढ़ पहुंचे




रायपुर, । सबको समान रूप से समाज में स्थान देने के लिए भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर ने समता मूलक समाज के निर्माण में संविधान में प्रावधान कर अहम भूमिका निभाई है। आज के दौर में निर्धन वर्ग के लोगों को अधिकाधिक रोजगार के अवसर मिलने में सबसे बड़ा योगदान बाबा साहब का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश में एसटी एससी समुदाय को एक करोड़ 88 लाख, 990 रूपए का ऋण स्वीकृत हुआ है, वहीं निर्धन वर्ग को प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सहयोग से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक करोड़ से अधिक मकानों का निर्माण कर उन्हें आवासहीनता से मुक्त किया गया है। उक्त बातें पहुना में आयोजित पत्रकारवार्ता में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कही। उन्होंने कहा कि वे राजा चक्रधर कला समारोह रायगढ़ में शामिल होने के लिए एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ आएं हैं। आदिवासी राजा चक्रधर सिंह गीत-संगीत और नृत्य के लिए समर्पित राजा थे। उनकी स्मृति में हर वर्ष होने वाला आयोजन राज्य सरकार द्वारा किया जाना स्वागतेय है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा बिहार में प्रधानमंत्री को वोट चोर कहा जाना आपत्तिजनक है। महाराष्ट्र में भी राहुल इस तरह का बयान दे चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां को आरजेडी एवं कांग्रेस के मंच से बिहार में गंदी-गंदी गाली देना बिहार की माता बहनों का अपमान है। यह लोकतंत्र की मर्यादा को तार-तार करता है। महाराष्ट्र में राज ठाकरे द्वारा गैर मराठियों के लिए स्थान न होने के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रामदास अठावले ने कहा कि महाराष्ट्र 140 करोड़ भारतीयों का है। पूर्व में एक व्यक्ति को वह थप्पड़ मार चुके हैं जो अपमानजनक घटना है। अब अगर कोई हरकत ठाकरे करते हैं तो देवेन्द्र फणनवीस सरकार उन्हें सीधा जेल भेजेगी।

## बस्तर की पंक्ति बेदरकर बनीं छत्तीसगढ़ की ग्लैम क्वीन, दिल्ली फिनाले में मचाएंगी धूम

### छोटी उम्र, बड़ा सपना- पंक्ति बनेगी फैशन वर्ल्ड की नई सुपरस्टार

जगदलपुर । बस्तर की मिट्टी से निकली नन्ही परी अब देश के फैशन मंच पर छा रही है। जगदलपुर की 13 वर्षीय पंक्ति बेदरकर ने मिस टीन इंडिया, छत्तीसगढ़ 2025 का ताज अपने नाम कर लिया है।जिसकी ताजपोसी दिल्ली में होने वाले ग्रैंड फिनाले में होंगी उसके तुरंत बाद वह दिल्ली में होने वाले ग्रैंड फिनाले (17 से 20 सितम्बर 2025) में देशभर की खूबसूरत और टैलेंटेड प्रतिभाओं से मुकाबला करेंगी। फैशन की दुनिया में यह सफ़र किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। पहले किड्स सेंट्रल इंडिया 2025 का खिताब और अब मिस टीन इंडिया, छत्तीसगढ़ 2025 ।

पंक्ति का कहना है कि उनकी असली हीरोइन उनकी माँ तरूणा साबे हैं, जिन्होंने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचने के लिए हर कदम पर प्रेरित किया। पंक्ति ने यह भी ऐलान किया कि अगर वो नेशनल टाइटल जीतती हैं तो इनाम की राशि छत्तीसगढ़ के बाढ़ पीड़ितों को दान करेंगी ङ्क यानी ग्लैमर के साथ बड़ा दिल भी।

दिल्ली में होने वाले इस स्टार-स्टडेड इवेंट में बॉलीवुड के कई नामी चेहरे और देश के टॉप मॉडल्स भी शिरकत करेंगे। रेड कार्पेट, कैमरों की चमक और रैंप पर बस्तर की ये बेटी जब वॉक करेगी, तो पूरा छत्तीसगढ़ तालियाँ बजाएगा।आज पूरा छत्तीसगढ़ पंक्ति बेदरकर के साथ खड़ा है। उम्मीद है कि उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और लगन उन्हें राष्ट्रीय खिताब दिलाएगी और बस्तर की यह बेटी पूरे देश में प्रदेश का परचम लहराएगी।

## गणेश विसर्जन के दौरान हुए दुखद सड़क हादसे में घायलों से मिलने पहुंचे विधायक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक

### मृतकों के परिवारों को दी गई तत्काल आर्थिक सहायता

### घायलों का अंबिकापुर में भी चल रहा है इलाज, प्रशासन की तरफ से हर संभव सहायता कराया जा रहा है उपलब्ध



जशपुरनगर । सितंबर की रात्रि को बगीचा से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम जूरूडांड में गणेश विसर्जन के दौरान हुए सड़क हादसे में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए घायलों को शीघ्रतम मेडिकल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश प्रशासन को दिए हैं।दुर्घटना की जानकारी मिलते ही रात्रि करीब 12:30 बजे विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, कलेक्टर श्री रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह बगीचा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और बेहतर उपचार हेतु डॉक्टरों को निर्देशित किया। इस हादसे में घायल हुए 22 लोगों को बेहतर उपचार हेतु अंबिकापुर रेफर किया गया है। इनमें से 15 का इलाज अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में तथा 7 का इलाज निजी अस्पताल में किया जा रहा है। शेष 8 घायलों का इलाज बगीचा सीएचसी में चल रहा है। घायलों में 2 की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

इस दुखद दुर्घटना में मृत हुए तीन लोगों के परिजनों को तत्काल 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है। प्रशासन द्वारा सभी घायलों को हर संभव चिकित्सीय एवं आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है।

### गणेश विसर्जन के दौरान हादसे को लेकर मुख्यमंत्री साय ने जताया गहरा शोक

जशपुर । जशपुर जिले के जुरुडांड, बगीचा में गणेश विसर्जन की झांकी के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मृत्यु तथा कई अन्य के घायल होने की दुखद खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घायलों की समुचित चिकित्सा एवं आवश्यक मदद के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुःखद घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार मृतकों के परिजनों एवं घायलों के साथ खड़ी है। राज्य सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को पाँच-पाँच लाख रुपए एवं घायलों को पचास-पचास हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

## मोदी जी का जन्म दिवस सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिवस सेवा पखवाड़ा के रूप में पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा। इस अवसर पर अनेक सामाजिक एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय मंत्री अशोक बजाज द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भाजपा कार्यालय में आज एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें सभी पदाधिकारी एवं मोर्चा प्रमुख शामिल हुए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिवस 17 सितम्बर को है। यह जन्म दिवस सेवा पखवाड़ा के रूप मनाया जाएगा, जो कि महात्मा गांधी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता मंत्री सांसद उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता अभियान एवं कुष्ठरोगियों की सेवा आर्थिक तथा सामाजिक रूप से कमजोर लोगों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अनेक कार्यक्रम बनाए गए हैं। इन जनहितैषी कार्यक्रमों प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। आज की बैठक में संगठन मंत्री पवन साय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

## खैरागढ़ में जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष रिश्वत लेते गिरफ्तार, एसीबी की कार्रवाई से हड़कंप

खैरागढ़। एंटी करप्शन ब्यूरो (ष्ठक्र) की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र कांडे को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। यह कार्रवाई खैरागढ़ के कलेक्टर कार्यालय में उस समय हुई, जब कांडे एक बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम डोकरा भाटा निवासी भागचंद कुर्रे अपनी जमीन संबंधी काम को लेकर कई दिनों से पटवारी धर्मेंद्र कांडे के पास चक्कर लगा रहा था। पीड़ित ने आरोप लगाया कि पटवारी ने पहले काम के बदले 10 हजार रुपये की मांग की थी, लेकिन बातचीत के बाद सौदा 9 हजार रुपये में तय हुआ। भागचंद कुर्रे ने इसकी शिकायत एसीबी से की, जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की। तय योजना के अनुसार, बुधवार को कुर्रे ने पटवारी कार्यालय में जाकर कांडे को 9 हजार रुपये सौंपे। रकम लेने के बाद आरोपी सीधे कलेक्टर कार्यालय की बैठक में चला गया। इसी दौरान एसीबी की टीम ने मौके पर दबिश देकर कलेक्टर कार्यालय से ही आरोपी पटवारी को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया।

### रजत महोत्सव अंतर्गत स्कूली बच्चों को दी गयी बाल सुरक्षा संबंधित जानकारी

जशपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर शासकीय पूर्व प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय नीमगांव में महिला एवं बाल विकास विभाग, चाइल्ड - हेल्प लाईन एवं पूर्व माध्यमिक शाला राजापारा भागलपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग आईसीपीएस के द्वारा स्कूली बच्चों बाल सुरक्षा संबंधित मुद्दों पर जानकारी दी गयी। इस अवसर पर विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ बाल-विवाह, बाल श्रम, मानव तस्करी, बाल स्पोंसरशीप योजना, गुड -टच, बैड-टच, पोषण देखरेख एवं 1098 हेल्पलाइन नम्बर के बारे में जानकारी दी गयी।

## छत्तीसगढ़ जीरो पावर कट स्टेट से अब मुफ्त बिजली की ओर - मुख्यमंत्री साय

### मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में संयुक्त पावर कंपनीज मुख्यालय भवन की रखी आधारशिला

### एक पेड़ माँ के नाम अभियान में किया वृक्षारोपण

### रजत जयंती वर्ष पर साझा की 25 वर्षों की विकास यात्रा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर सेक्टर-24 में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के संयुक्त मुख्यालय भवन का शिलान्यास किया। रजत जयंती वर्ष और गणेश चतुर्थी जैसे पावन अवसर पर सम्पन्न इस समारोह में उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की और भवन का थ्री-डी मॉडल अनावृत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भवन अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता को नई ऊँचाई देगा, तीनों पावर कंपनियों के बीच समन्वय को मजबूत करेगा और उपभोक्ताओं को एक ही छत के नीचे सभी सेवाएँ उपलब्ध कराएगा। उन्होंने इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मौलश्री पौधरोपण किया।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षीय यात्रा यह प्रमाण है कि जब संकल्प और संवेदनशीलता साथ चलें तो परिणाम ऐतिहासिक होते हैं। वर्ष 2000 में प्रदेश केवल 1400 मेगावाट बिजली उत्पादन करता था, आज यह क्षमता बढ़कर 30 हजार मेगावाट हो गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में 1320 मेगावाट क्षमता के नए संयंत्र का शुभारंभ इस उपलब्धि को और सुदृढ़ करने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह प्रगति हर नागरिक के विश्वास, मेहनत और भागीदारी का परिणाम है।उन्होंने कहा कि हाल ही में सम्पन्न उनकी जापान और दक्षिण कोरिया यात्रा ने यह अनुभव कराया कि छत्तीसगढ़ अब वैश्विक स्तर की अधोसंरचना और कार्यसंस्कृति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। संयुक्त मुख्यालय भवन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भवन का निर्माण गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए, ताकि यह ऊर्जा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बने।मुख्यमंत्री ने बताया कि नई उद्योग नीति के अंतर्गत पावर सेक्टर में हाल ही में लगभग तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले वर्षों में 30 हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन संभव होगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल प्रदेशवासियों को 24 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराएगी बल्कि पड़ोसी राज्यों की ज़रूरतें भी पूरी करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने छत्तीसगढ़ को मुफ्त बिजली की ओर तेजी से अग्रसर कर दिया है और अब दूरस्थ अंचलों तक इस योजना का लाभ पहुँच रहा है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी को राज्य निर्माण में उनके योगदान के लिए नमन किया।

## छत्तीसगढ़ में चल पड़ी सनातन धर्म के संरक्षण की लहर, पर्वों में धर्मप्रेमी युवाओं ने शुरू की शानदार पहल

### धर्म और श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं युवक, प्रसाद के साथ व्यजनों का भी किया जा रहा वितरण



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों सनातन धर्म के संरक्षण के लिए और धर्म विरोधी तत्वों के खिलाफअनूठी लहर चल पड़ी है। एक ओर जहां बस्तर संभाग के गांवों में कन्वर्जन के खिलाफ आदिवासी एकजुट हो गए हैं और कन्वर्जन कराने वाले तत्वों को गांवों में घुसने नहीं दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आम लोगों को सनातन से जोड़े रखने के लिए पर्वों के दौरान प्रसाद के साथ खीर, खिचड़ी, मोदक लड्डू, मोतीचूर के लड्डू, पोहा, कचौरी, आलूगुंडे समेत अन्य व्यंजन परोसे जा रहे हैं। इस पहल से श्रद्धालुओं की सेवा और धर्म संस्कृति का संरक्षण हो रहा है। धार्मिक स्थलों और पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सर्वविदित तथ्य है कि बस्तर संभाग और संभाग के सीमावर्ती जिलों के लिए नक्सलवाद के बाद कन्वर्जन दूसरी सबसे बड़ी समस्या है। आदिवासी समुदाय के साथ ही दूसरे समुदायों के गरीब तबके लोग भी बड़े पैमाने पर कन्वर्ट किए जा रहे हैं। प्रार्थना, चंगाई सभाओं के जरिए बीमारियां और समस्याएं दूर कराने के बहाने लोगों का कन्वर्जन धड़ल्ले से किया जा रहा है। ?सी गतिविधियों पर रोक लगाने आदिवासी समुदाय के शिक्षित एवं जागरूक तबके वर्ग ने मोर्चा खोल दिया है। बस्तर संभाग के कांकेर जिले के कई गांवों में कन्वर्जन कराने वाले लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई। इस बाबत गांवों के बाहर बोर्ड लगाकर सख्त चेतावनी दी गई है।

## मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर ग्राम बोड़ालता में बदला गया ट्रांसफार्मर

### पुनः बहाल हुई विद्युत आपूर्ति, ग्रामीणों ने जताया मुख्यमंत्री के प्रति आभार



जशपुरनगर । मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर विकासखंड कुनकुरी, ग्राम पंचायत दाराखरिका के आश्रित ग्राम बोड़ालता में ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बाधित विद्युत आपूर्ति पुनः प्रारंभ हो गई है। बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को इससे बड़ी राहत मिली है। ग्रामवासियों ने त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि विकासखंड कुनकुरी, ग्राम पंचायत दाराखरिका के आश्रित ग्राम बोड़ालता में ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बिजली की आपूर्ति बाधित थी। इससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कैंप कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की, जिसके तहत विद्युत विभाग द्वारा ग्राम बोड़ालता में ट्रांसफार्मर बदल दिया गया।

### कलेक्टर ने आदि कर्मयोगी अभियान का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश

जशपुर। लेक्टर श्री रोहित व्यास ने मंगलवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर मुख्यमंत्री जनदर्शन कलेक्टर जनदर्शन और टीएल के लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और सभी आवेदनों का निराकरण गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सहित अन्य योजनाओं का भी बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार सहायक कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार साहू सभी एसडीएम और जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री की घोषणा के कार्यों का भी गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जशपुर में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जिला प्रोसेस लैब का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष, जशपुर में किया गया है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम जिले के विकास कार्यों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित होगा, जिसमें पंचायत प्रतिनिधि, अधिकारी और जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। जिला प्रोसेस लैब में जिले के 7 मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा 8 विकासखंड के 80 ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला प्रोसेस लैब का उद्देश्य योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाना।

## मुख्यमंत्री का संकल्प: आदिवासी अंचलों सहित सभी नागरिकों तक पहुँचे विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा

### मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में चिकित्सा शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ और कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल तेलंगाना के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में चिकित्सा शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ और कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल तेलंगाना के बीच लाइसेंस समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह अनुबंध प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (क्करूस्स्ङ्घ) के अंतर्गत किया गया है।इस अवसर पर वन एवं परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव श्री राहुल भगत, स्वास्थ्य सचिव श्री अमित कटारिया, आयुक्त स्वास्थ्य डॉ. प्रियंका शुक्ला, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के अधिकारी श्री जयदीप दास गुप्ता एवं श्रीनिवास राव तथा कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ. गुरुनाथ रेड्डी, डॉ. रघुनाथ रेड्डी और श्री के.वी. रेड्डी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि आदिवासी अंचलों सहित प्रदेश के हर नागरिक तक विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचे। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पूर्व इस अस्पताल के निर्माण की शुरुआत की गई थी और आज जब छत्तीसगढ़ अपनी रजत जयंती मना रहा है, तब इस एमओयू का होना ऐतिहासिक महत्व रखता है। गणेश महोत्सव के पावन अवसर पर हुआ यह समझौता प्रदेशवासियों के लिए शुभ संकेत है।मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बस्तर क्षेत्र के लोग लंबे समय से उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रहे हैं, किंतु अब यह अस्पताल उनके लिए वरदान साबित होगा। विशेषकर नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों के लिए यह जीवनरक्षक सिद्ध होगा। पहले घायल जवानों को एयर एंबुलेंस से रायपुर भेजना पड़ता था, अब जगदलपुर में ही उन्हें अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध होगा।स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिलें। बस्तर अंचल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना राज्य और क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है। पहले ये सेवाएँ केवल रायपुर और बिलासपुर जैसे बड़े शहरों में उपलब्ध थीं, लेकिन अब बस्तर के लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए हर संभव संसाधन उपलब्ध कराएगा।

# महादेव घाट के विसर्जन कुंड में श्रीगणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जायेगा

**गणेश विसर्जन स्थल की सम्पूर्ण व्यवस्था के लिए समिति गठित की**

**आयुक्त ने गणेश विसर्जन स्थल व्यवस्था हेतु अधिकारियों की 6 से 12 सितम्बर तक ड्यूटी लगाई**

**नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल के निर्देशानुसार नदी में मूर्तियो का विसर्जन किसी परिस्थिति में न किया जाये तथा नदी के जल को दूषित होने से बचाया जाये**

**रायपुर ।** नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप ने आदेश जारी कर बताया कि गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को थी इसके 11वें दिन शनिवार अर्थात 6 सितम्बर 2025 अनंत चतुर्दशी को गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी खारून नदी के किनारे महादेवघाट में निर्मित विसर्जन कुंड में श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने का निर्णय लिया गया है। झांकी का प्रारंभ शारदा चौक से होगा जहां उन्हें नंबर दिया जायेगा। शारदा चौक से जयस्तंभ, कोतवाली, सदर बाजार, सत्ती बाजार, कंकाली तालाब, पुरानी बस्ती थाना चौक, लीली चौक, लाखे नगर चौक, सुन्दरनगर, महादेव घाट रिंगरोड चौक होते हुए रायपुरा महादेव घाट के पास निर्मित विसर्जन कुंड स्थल पर जाकर विसर्जित होगी। लाखे नगर चौक से महादेवघाट रिंगरोड तक वन वे ट्रैफिक रहेगा। श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की प्रशासनिक व्यवस्था हेतु दिनांक 6 सितम्बर को प्रातः 6 बजे से दिनांक 12 सितम्बर 2025 को प्रातः 6 बजे तक के लिए चकानुसार जोनवार प्रशासनिक व्यवस्था के लिए सभी जोन कमिश्नरों, जोन कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं, उपअभियंताओं, समयपालों, मजदूरों की ड्यूटी लगाई है।

आयुक्त ने गणेश उत्सव एवं गणेश विसर्जन के अवसर पर माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल एवं शासन द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करने के लिए कहा। खारून नदी के किनारे निर्मित विसर्जन कुंड में गणेश विसर्जन के पूर्व पूजन सामग्रियों को अलग कराकर उपयुक्त स्थल पर रखा जाये। माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल के निर्देशानुसार मूर्तियो का विसर्जन नदी में किसी भी परिस्थिति में न किया जाये तथा नदी के जल को दूषित होने से बचाया जाये। साथ ही माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल के निर्देशानुसार ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखने हेतु जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को सूचित कर समन्वय स्थापित कर कार्यवाही करें। सडक पर यातायात अवरूद्ध करने वाले गणेश पंडालों के विरूद्ध जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को सूचित कर समन्वय से नियमानुसार कार्यवाही करें।

आयुक्त ने नगर निगम रायपुर की ओर से श्री गणेश विसर्जन स्थल महादेव घाट खारून नदी के तट पर सम्पूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था करने निगम अधिकारियों की एक समिति गठित कर दी है। इस समिति के नोडल अधिकारी अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय मो. नं. 9424264100 को बनाया गया है। समिति में प्रभारी अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर मो.नं. 9425502640, प्रभारी अधीक्षण अभियंता श्री श्री राजेश नायडू मो. नं. 9644000770, प्रभारी नगर निवेशक श्री आभास मिश्रा मो. नं. 9907992294, जोन 8 कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल मो.नं. 9238343470, जोन 6 कमिश्नर हितेन्द्र यादव मो.नं. 8253087778, उपायुक्त स्वास्थ्य श्रीमती प्रीति सिंह मो. नं. 8319517473 को सम्मिलित किया गया है। यह प्रशासनिक समिति श्री गणेश विसर्जन हेतु केन, शामियाना, लाईट, माईक, गोताखोर, चिकित्सा सुविधा आदि की व्यवस्था करेगी। इस समिति को आवश्यक सहयोग देने जोन 8 कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल मो.नं. 9238343470 को निर्देशित किया गया है।

आयुक्त ने श्री गणेश विसर्जन कुण्ड स्थल पर केन, मंच की व्यवस्था, कंट्रोल रूम, टार्च, मोटर बोट, गोताखोर, मजबूत एवं अच्छे किस्म का रस्सा, लांग बूट, रेन कोट, बड़े साइज के छाते की व्यवस्था जोन 8 कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल मो.नं. 9238343470 द्वारा की जायेगी एवं होमगार्ड कार्यालय से समन्वय कर अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था करने हेतु कमाण्डेंट होमगार्ड को पत्र भेजेंगे।

## प्रगतिशील महिला किसान लेकेश जैन को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया

**रायपुर।** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधीन राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम), हैदराबाद के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ की प्रगतिशील महिला किसान श्रीमती लेकेश जैन को प्रतिष्ठित 'सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार-2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 1 सितम्बर 2025 को आयोजित भव्य समारोह में एनएएआरएम स्थित डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन सभागार में प्रदान किया गया।

उत्तर बस्तर कांकेर जिले के ग्राम थानाबोडी निवासी श्रीमती लेकेश जैन, जिन्हें आमतौर पर 'लेकेश बाई' के नाम से भी जाना जाता है, को यह सम्मान उनके द्वारा 17 एकड़ क्षेत्र में स्थापित एकीकृत कृषि प्रणाली (इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम) में उल्लेखनीय सफलता के लिए दिया गया। इस प्रणाली में उन्होंने सब्जी उत्पादन, डेयरी, बकरी पालन, मछली-बत्तख तालाब और चारा उत्पादन को सफलतापूर्वक एकीकृत कर लगभग 10 लाख रुपये से अधिक की वार्षिक आय का मॉडल विकसित किया है। यह मॉडल कांकेर कृषि विज्ञान केंद्र और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से न सिर्फ़ आर्थिक रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है, बल्कि आदिवासी किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना है।

## तेज अंधड़ के साथ वर्षा और बिजली चमकने से विद्युत की आंख मिचौली से उपभोक्ता परेशान रहे

**रात को मध्य रात्रि तक कई वार्डों बिजली की आपूर्ति नहीं हुई सामान्य**

**गणेश पंडालों में भी की गई विशेष व्यवस्था**

**रायपुर।** राजधानी में पिछले 24 घंटे से हो रही अनवरत वर्षा के कारण निचली एवं कई गंदी बस्तियों में जल भराव होने की शिकायत मिली हैं । वहीं विद्युत की आंख मिचौली से उपभोक्ता लोग परेशान रहे। विद्युत विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी सहित कई अन्य क्षेत्रों में पिछले 24 घंटे से अनवरत वर्षा हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिणी छत्तीसगढ़ तथा मध्य छत्तीसगढ़ कहे जाने वाले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर में इस समय अच्छी वर्षा हो रही जिसके कारण नदी नाले उफान पर चले रहे हैं। वहीं कई स्थानों पर जल भराव की शिकायत आ रही है।

**गणेश भक्त हुए परेशान :** इधर राजधानी में गणोत्सव की धूम है, कल वर्षा होने के कारण भक्त भगवान के दर्शन करने नहीं जा पाए, जिसके कारण आयोजकों को भी परेशानी हुई। कई स्थानों पर विशेष पंडाल लगाए गए। नवीन बाजार स्थित गणोत्सव समति में इन दिनों भण्डारा भी चल रहा है। यहां पर भक्तों की आपार भीड़ रहती है, वहीं समता कालोनी, गुढ़ियारी, रामसागर पारा तथा पुरानी बस्ती में भी भक्तों को कल झांकी नहीं देख पाए।

**विद्युत की आंख मिचौली:** राजधानी में राजकुमार कालेज, विवेकानंद आश्रम सहित रायपुर के पश्चित क्षेत्र कहे जाने वाले कॉलेजवार कोटा तथा शंकरनगर सहित कई वार्डों में बिजली गोल रही है। वहीं मच्छारों के कारण लोग परेशान रहे। विद्युत मंडल ने लोगों को सहायता के रूप में स्ट्रीट लाईट को जला दी थी, लेकिन रात को 7.30 बजे से 10.30 बजे तक लाईट की आपूर्ति सामान्य नहीं हो पाई। विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी मरम्मत एवं निर्माण कार्य में जुटे रहे। राजधानी में अनेक स्थानों पर गंदकी फैली रही, जिसके कारण नगर निगम अमले को आज सुबह से साफ-सफाई करनी पड़ी।

## दानी गर्ल्स स्कूल–डिग्री गर्ल्स कॉलेज मार्ग में चौपाटी हटाए : कन्हैया अग्रवाल

**जल भूमि से 15 मीटर तक नहीं हो सकता निर्माण-डेग्वेकर**

**रायपुर।** दानी गर्ल्स स्कूल-डिग्री गर्ल्स कॉलेज मार्ग में निर्माण की गए चौपाटी को बच्चों की स्कूल के साथ-साथ पर्यावरण को चौपट करने वाली चौपाटी बताते हुए पर्यावरण मंत्री श्री ओपी चौधरी को ज्ञापन देकर तत्काल चौपाटी हटाने आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई । श्री चौधरी ने आश्वस्त किया कि पर्यावरण संरक्षण विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल एवं बुढ़ापारा नागरिक विकास समिति के डॉक्टर अजीत डेग्वेकर ने उक्ताशय का बयान जारी करते हुए कहा कि बुढ़ातालाब बुढ़ागार्डन ऐतिहासिक धरोहर होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण स्थान है । गार्डन निर्माण के बाद बड़ी संख्या में आसपास के कई वार्डों के लोग यहां योग करने, मॉर्निंग वॉक / इवनिंग वाल के सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से अपने को स्वस्थ रखने के लिए आते थे । जब से चौपाटी का निर्माण प्रारंभ हुआ और चौपाटी आकार लेने लगी पर्यावरण असंतुलित होने के कारण गार्डन आने वाले लोगों ने इसका जमकर विरोध करना प्रारंभ किया। महापौर श्रीमती मीनल चौबे नगर निगम के कमिश्नर चौपाटी के निर्माण कार्यों को तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया था परंतु चौपाटी बनाने वाली ताकतों को जिनका समर्थन मिल रहा है उन्होंने ना सिर्फ निर्माण जारी रखा बल्कि चौपाटी में दुकान प्रारंभ कर सीधी चुनौती भी दी । महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने एक बार फिर चौपाटी में कार्रवाई करते हुए दुकानों को सील कराया है परंतु यह तत्कालीन रॉक है इस चौपाटी को पूरी तरह हटाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए जाने की आवश्यकता है।रायपुर ही नहीं छत्तीसगढ़ के प्राचीन तालाब बुढ़ातालाब के सौंदरीकरण के नाम पर स्मार्ट सिटी के द्वारा पिछले दिनों लगभग 30 करोड़ तक खर्च किए गए तत्पश्चात निजी कंपनी के हाथों तालाब को पर्यटन बोर्ड ने पुनः सौंपा है । निजी कंपनी के द्वारा दानी स्कूल डिग्री गर्ल्स कॉलेज परिक्रमा मार्ग पर चौपाटी खोले जाने के लिए दुकानों का निर्माण प्रारंभ किया गया है।इस मार्ग में चौपाटी निर्माण का पिछले 15-20 वर्षों में अनेक बार प्रयास किया गया हर बार जन विरोध के कारण इस निर्णय को वापस लिया गया है । चौपाटी निर्माण किए जाने से तालाब में गंदगी पसरेगी,जिससे तालाब का पानी प्रदूषित होगा। तालाब के जीव जंतु बेमौत मारे जाएंगे । वातावरण प्रदूषित होगा ।निवेदन है छात्राओं के विद्यालय और कॉलेज के साथ छात्रावास के समीप निर्मित इस चौपाटी के कार्य और खुल चुकी दुकानों को तत्काल बंद कराएं । हमारी बेटियों की सुरक्षा के साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है कि इस मार्ग का व्यवसायीकरण ना हो । चौपाटी जैसे प्रोजेक्ट हमारी बेटियों के आवागमन के मार्ग में असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं । अतः कृपया इस संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश देकर अविलंब दुकानों को बंद कराने की कृपा करेंगे।

**सीएम विष्णुदेव साय ने दी 6.54 करोड़ की सौगात, जशपुर में दो प्रमुख सड़कों के निर्माण को मिली मंजूरी**

**जशपुरनगर ।** क्षेत्रीय विकास और पर्यटन को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को 6 करोड़ 54 लाख रुपये की सौगात दी है। इस राशि से कुनकुरी क्षेत्र के दो प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सुगम पहुंच मार्ग के लिए सड़क निर्माण कार्य को मंजूरी दी गई है। लोक निर्माण विभाग, संभाग-जशपुर के अंतर्गत आने वाले इन परियोजनाओं में जोकारी से मधेश्वर पहाड़ तक 3 किमी सड़क का निर्माण 3 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। वहीं, एनएच-43 से मयाली डेम तक 1.30 किमी लंबे सड़क मार्ग के निर्माण पर 2 करोड़ 85 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सड़कों के निर्माण से न केवल स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी, बल्कि महादेवश्वर पहाड़ और मयाली डेम जैसे पर्यटन स्थलों की पहुंच आसान होगी।

## छत्तीसगढ़ी फीचर फिल्म दंतेला लोककथा पर आधारित

**रायपुर ।** छत्तीसगढ़ी फीचर फिल्मों में अब तक सबसे बड़ी खर्चीली एवं महंगी फिल्म दंतेला जो एक करोड़ के व्यय पर बनी है। लोककथा पर आधारित है। फिल्म में बलरामपुर जिले के चरचरी गांव के सत्य घटना पर आधारित दंतेला लोक कथा पर आधारित है। फिल्म के निर्देशक डॉ. शांतनु पाटनवार ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि गांव में गंदा पानी लोग पीने पर मजबूर है। यह गांव बीहड़ जंगलों के बीच बसा हुआ है। पानी को लेकर हास्य भय एवं अन्य जुड़ी घटनाओं को पर्दे पर पेश किया गया है। फिल्म में कुछ दृश्यों को हारर के रूप में भी दिखाया गया है। फिल्म की टीम डॉक्टरों द्वारा निर्मित की गई है जिनमें डॉ. राज दीवान, डॉ. कार्तिक सोनी, डॉ. प्रवीण मित्तल, डॉ. सुरेश प्रभाकर एवं डॉ. ईशी मंदरिक ने अहम सहयोग दिया है। फिल्म में लीड रोल में विशाल भैरू के किरदार में नजर आए है वहीं लीड विलेन के रूप में डॉ. राज दीवान के प्रभारी भूमिका रही है। अनिल सिन्हा की कामेडी से दर्शक लोट पोट होते फिल्म प्रदर्शन के दौरान दिखाई देते है। फिल्म में नायिका वीणा सेंदरे की प्रभावी भूमिका है। राजधानी सहित प्रदेश के सिनेमा हालों में फिल्म दंतेला को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

**रायपुर, दुर्ग संभाग में भारी वर्षा की चेतावनी दी मौसम विभाग ने**

**रायपुर।** मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि रायपुर और दुर्ग संभाग में आगामी 24 घंटे में भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान है। वहीं बिलासपुर एवं बस्तर संभाग में भी

अच्छी वर्षा होगी। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा ने बताया कि कम दबाव का क्षेत्र तथा द्रोणिका दक्षिणी क्षेत्र में सक्रिय होने के कारण फिलहाल अच्छी वर्षा हो रही है। उन्होंने बताया कि उत्तरी छत्तीसगढ़ में अपेक्षाकृत कम वर्षा होगी। इधर अगले 24 घंटो में कोण्डागांव, कांकेर, नारायणपुर, रायपुर, सक्ती और सारंगढ़-बिलाईगढ़ में भारी बारिश होने की संभावना है। आपदा प्रबंधन विभाग ने नदियों के जल स्तर को बढ़ता देख तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की चेतावनी है।

मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है, यह 24 घंटे में और अधिक प्रबल होने की संभावना है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए उड़ीसा की तरफ जाने की संभावना है। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, जयपुर, दतिया, सीधी, झारसुगुड़ा, पुरी, उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित निम्न दाब के केंद्र तक स्थित है।

मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने और भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः रायपुर संभाग और दुर्ग संभाग की जिले संभावित है।

## बीएसपी ने अगस्त में उत्पादन और डिस्पैच में बनाए कई रिकॉर्ड

रायपुर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अगस्त 2025 में उत्पादन और डिस्पैच के क्षेत्र में स्वर्णिम सफलता दर्ज कर नया इतिहास रच दिया। रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल, यूनिवर्सल रेल मिल, बार एंड रॉड मिल तथा प्लेट मिल की शानदार उपलब्धियों ने एक बार फिर संयंत्र को देश के अग्रणी इस्पात उत्पादक और अवसंरचना प्रदाता के रूप में स्थापित किया है।अगस्त माह में संयंत्र ने कुल 99,889 टन लॉन्ग रेल का उत्पादन कर नया कीर्तिमान बनाया, जो मार्च 2024 के 98,402 टन के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ गया। रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) ने 18,845 टन लॉन्ग रेल का उत्पादन कर मार्च 2024 के 18,241 टन के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। वहीं यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने 84,041 टन प्राइम रेल का उत्पादन किया, जो जून 2025 में दर्ज 83,046 टन से अधिक है। इसी मिल में लॉन्ग रेल उत्पादन 81,044 टन तक पहुँचा, जो जून 2025 के 80,644 टन के आंकड़े से अधिक है।स्टील उत्पादन के क्षेत्र में भी संयंत्र ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अगस्त 2025 में सेलेबल स्टील का उत्पादन 5,19,627 टन तक पहुँचा, जबकि जनवरी

2023 में यह 5,03,219 टन था। डिस्पैच में भी उल्लेखनीय सफलता दर्ज हुई। आरएसएम से 18,812 टन लॉन्ग रेल का डिस्पैच किया गया, जो मार्च 2024 के 18,407 टन से अधिक है। इसी तरह सेलेबल स्टील का कुल डिस्पैच 5,08,802 टन दर्ज हुआ, जो जनवरी 2023 के 4,89,180 टन के रिकॉर्ड से आगे निकल गया।01 सितम्बर को संयंत्र दौरे के दौरान निदेशक प्रभारी (बीएसपी) श्री चित्त रंजन महापात्र ने बीआरएम, प्लेट मिल और यूआरएम का निरीक्षण कर कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही सफलता टीम भावना और समर्पण का परिणाम है। इस अवसर पर अन्य कार्यपालक निदेशकों ने भी सामूहिक प्रयास, प्रभावी प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता को उपलब्धियों का आधार बताया।बार एंड रॉड मिल (बीआरएम) ने भी अगस्त 2025 में शानदार प्रदर्शन किया। इसने 90,550 टन के डिस्पैच के साथ अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ अगस्त डिस्पैच दर्ज किया। इससे पहले जुलाई 2025 में इस मिल ने 6,030 टन का एक दिवसीय सर्वाधिक डिस्पैच (31 जुलाई) और 1,01,200 टन का मासिक डिस्पैच दर्ज कर कीर्तिमान बनाया था। मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (बीआरएम) श्री योगेश शास्त्री ने इस सफलता का श्रेय टीम भावना, समय पर अनुरक्षण और आपसी तालमेल को देते हुए कर्मचारियों को बधाई दी।इसी तरह प्लेट मिल ने भी अगस्त 2025 में ऐतिहासिक सफलता हासिल की। इसने 1,20,448 टन का उत्पादन कर अगस्त 2024 के 1,20,333 टन के रिकॉर्ड को तोड़ा और 1,27,427 टन का डिस्पैच किया, जो पिछले वर्ष अगस्त में दर्ज 1,16,963 टन से कहीं अधिक है। उल्लेखनीय है कि रैक उपलब्धता में चुनौतियों के बावजूद प्लेट मिल ने 10,980 टन का सड़क मार्ग से डिस्पैच किया, जो एक दशक में पहली बार पाँच अंकों तक पहुँचा। इस दौरान प्लेट्स 147 ग्राहकों तक पहुँचीं, जिनमें परियोजना क्लाइंट्स, भेल, शिपयार्ड्स और एमएसएमई सेक्टर शामिल रहे।

## मिलादुन्नबी का 15वां सौ साल 5 सितंबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा

**बैजनाथ पारा से जुलूस निकलेगा विभिन्न मार्गों से होकर सीरत मैदान पहुंचेगा**

**रायपुर।** शहर सीरतुन्नबी कमेटी रायपुर के अध्यक्ष मो. सुहैल सेठी ने बताया कि इस साल जश्न-ईद-मिलाद उन नबी पांच सितंबर को शान और शौकत से मनाया जाएगा। यह साल बहुत खास है। क्योंकि यह मिलाद उन नबी का 15 सौ साल है। इस अवसर पर बैजनाथ पारा से एक जुलूस निकाला जाएगा जो कि जयस्तंभ चौक से सदर बाजार आजाद चौक होते हुए बैजनाथ पारा पहुंचेगा। कमेटी के अध्यक्ष मो. सुहैल सेठी ने बताया कि लोगों से गुजारिश की है कि इस अवसर पर निकाले जाने वाले जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो तथा डीजे तथा आतिशबाजी फटाखों से परहेज करे ताकि लोग संजीदगी और शुकून के साथ मुक्कमल हो। उन्होंने बताया कि पांच सितंबर को सुबह सात बजे मेहबूबिया चौक बैजनाथ पारा से जुलूस निकलेगा। जो कि विभिन्न मार्गों से होते हुए कोतवाली चौक से होता हुआ वापस सीरत मैदान पहुंचेगा। कमेटी के सदर सेठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में बरेली से इस्लामी स्कॉलर हजरत कौसिल रजा खान साहब तकरीर फरमाएंगे। दुर्ग से गुलाम मोहिउद्दीन जमाई साहब भी रहेगे। 8 सितंबर को सोमवार रात दस बजे किछोछा शरीफ से हजरत सैयद अहमद अशरफ साहब पटना से हजरत गुलाम रसूल साहब मंच पर उपस्थित रहेंगे। 9 सितंबर को नातिया मुशायरा का आयोजन होगा। जिसमें देश भर के सायर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि दस को कनीज ए फातिमा जलसे का आयोजन किया जाएगा जिसमें महिलाएं शामिल होंगी। 11 सितंबर को अमन का पैगाम देते हुए हजारों बैलून छोड़े जाएंगे। तथा ग्रुप नातिया प्रोग्राम तथा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। बाहर से आने वाले सभी मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। सेठी ने लोगों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाएं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

## संपादकीय

# भारत ने अपनी ताकत का दिया परिचय

मोदी से अपनी कार में साथ चलने का अनुरोध किया, गेट पर मोदी के लिए दस मिनट तक इंतजार किया। शी जिनपिंग ने भी मोदी को हाथों हाथ लिया, आंतकवाद के मुद्दे पर भारत के रुख का समर्थन किया, मौजूदा उथल पुथल के दौर में भारत चीन और रूस की दोस्ती को ÷वर्ल्ड ऑर्डर का बैलेंसिंग फैक्टर बताया÷। पाकिस्तान भी स्ष्टह का सदस्य है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजदूगी में स्ष्टह के सभी देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की। मोदी ने पुरज़ोर तरीके से कहा कि सीमा पार से आतंकवाद को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शहबाज शरीफ चुपचाप बैठे सुनते रहे। SCO शिखर बैठक के दौरान पुतिन और शी जिनपिंग समेत सभी देशों के नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रिसीव करने पहुंचे लेकिन शहबाज शरीफ एक कोने में खड़े सबको देखते रहे। शहबाज शरीफ की बेइज्जती की चर्चा पाकिस्तान में खूब हो रही है।दी का जवाब

## हवा में खुशबू बन जाऊंगा मैं

तेरी पलकों में समाँ जाऊंगा मैं।
तेरे स्वप्न में आज आ जाऊंगा मैं।

महकती बयार बन जाएगी तू,
तेरी सांसों में समा जाऊंगा मैं।।

.महलों की अजीम शान है तू।
तेरे लिए शीशा बन जाऊंगा मैं ।।

कहां खोजूं किस दर पर जाऊं ।
तलाश में तेरी बावरा जाऊंगा मैं।।

न तेरा पता ना तेरी कोई खबर,
बिन तेरे अंधेरे में खो जाऊंगा मैं ।।

तेरी यादों का सबब मैं तो नही
यादों की महक बन जाऊंगा मैं द्यद्य

सितारों की रोशनी से रोशन तू,
रातों का जुगनू बन जाऊंगा मैं।

तेरी अंखियों में अपनी शरारत छोड़
,
हवा में तसव्वुर बन जाऊंगा

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

# श्राद्ध पक्ष में तर्पण क्या है और कैसे करते हैं

पं. चन्द्रभूषण शुक्ला
संस्कृत भाषा के प्रचारक

**पितृपक्ष में श्राद्ध करना और तर्पण करना मानव जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कर्म है। श्राद्ध कर्म में तर्पण का बड़ा ही महत्व है, लेकिन बहुत से लोग नहीं जानते की तर्पण क्यों, किसलिए और कैसे किया जाता है, कितने प्रकार के तर्पण होते हैं।**

माँ महामाया मन्दिर के ज्योतिषी एवं भागवताचार्य पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि श्राद्ध तर्पण मानव जीवन का एक विशिष्ट कर्म है जो स्वर्गवासी हो चुके पूर्वजों के लिए किया जाता है। तर्पण को श्राद्ध का आवश्यक अंग माना गया है, जिसके करने से पितर संतुष्ट होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। मनु स्मृति में तर्पण को यज्ञ की संज्ञा दी गई है और माना गया है की तर्पण एक यज्ञ करने के बराबर है।

शुद्ध जल, गाय के दूध, चंदन, श्वेत पुष्प, जौ, तिल, चावल और कुश द्वारा किया गया तर्पण श्रेष्ठ माना जाता है। तर्पण मे कुश का विशेष महत्व होता है, जिसमें ब्रम्हा, विष्णु, शिव तीनों का वास होता है। साथ ही नदी, तलाब में तर्पण करना ज्यादा श्रेयस्कर कहा गया है, परंतु वृद्ध, असहाय, घर में बड़ी परात या थाल मे शुद्ध जल लेकर भी तर्पण कर सकते हैं।

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि घर मे तर्पण करने के लिए सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर घर में किसी एकांत स्थल पर तर्पण की सभी समाग्री इकट्ठा कर आसन लगाकर बैठना चाहिए। एक बाल्टी में लगभग 4, 5 लोटा साफ जल रख ले, उसमे थोड़ा सा जौ, तिल, चावल, सफेद फूल, सफेद चंदन, गंगाजल आदि मिलाकर तर्पण का जल बना लेना चाहिए।

सामने बड़ा सा परात या थाली रख कर हाथ मे कुशा, जौ, तिल, चावल लेकर संकल्प करके पहले पूर्व की तरफ मुँह करके, बाँया हाथ से तांबे के लोटे में बाल्टी का जल लेकर कुशा पकड़े दाहिने हाथ की अंगुलियों के अग्र भाग से जल गिराते हुए देवताओं को तर्पण करना चाहिए और ओम् ब्रम्हास्तृप्यता, ओम् विष्णुस्तृप्यताम्, ओम् रुद्रस्तृप्यताम् कहते हुए देवताओं का तर्पण करना चाहिए। फिर उत्तर दिशा की ओर मुँह करके सप्त ऋषियों के लिए हाथ के मध्य से कनिष्ठा ऊँगली (छोटी ऊँगली) के मूल तरफजल गिराते हुए तर्पण करना चाहिए। इसके बाद दक्षिण की ओर मुँह करके अंगूठा व तर्जनी के मध्य से जल गिराते हुए अपने पितरों के नाम से तर्पण किया जाता है। पूर्वज का नाम, गोत्र का नाम उच्चारण करते हुए एक के नाम से तीन बार जल से तर्पण करना चाहिए। पिता हो तो अस्मत पिता कहकर नाम ले और तस्मै स्वधा नमः कहकर तथा माता पक्ष हो तो तस्यै स्वधा नमः कहकर तर्पण करना चाहिए।

मान्यताओं के अनुसार तर्पण छः प्रकार के माने गए हैं, जिनमें सभी प्रकार के तर्पण अलग - अलग लोगों के लिए भिन्न - भिन्न प्रकार से किया जाता है।

1. **देव तर्पण** – ब्रम्हा, विष्णु, शिव, वायु, वरुण, अग्नि, सूर्य देव के लिए किया जाता है, जिसमें चावल और जौ से तर्पण करते हैं। इससे देवतागण प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।

2. ÷**ऋषि तर्पण**÷ - सप्त ऋषियों, सनक, सनंदन, सनातन, सनत कुमार, नारद, कपिल, दधीचि, व्यास, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अत्रि आदि के लिए किया जा सकता है। इस तर्पण के करने से ऋषिगण तृप्त होकर मनुष्यों को बीमारी से, रोगों से बचाते हैं। इस तर्पण को जौ और जल द्वारा किया जाता है।

3. **दिव्यमान तर्पण**÷ – यह तर्पण दिव्यमान हुए लोगों के लिए किया जाता है, जिसमें ऐसे लोग आते हैं जो लोक मंगल के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर देते हैं, जिसमें कई महापुरुषों जैसे राजा जनक, हरिशचंद्र आदि आते हैं। चाहें तो देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए देशभक्तों, वीरों, सैनिकों, भूतपूर्व राजाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए भी तर्पण कर सकते हैं। इन महापुरुषों के लिए तर्पण करने से वे लोकरक्षा के लिए बल देते हैं। इनके लिए शुद्ध जल से तर्पण करना चाहिए।

4. ÷**दिव्यपितृ तर्पण**÷ – जिनके पूर्वजों ने देशहित, समाज हित के लिए कुछ विशेष कार्य किया होता हैं उनके पुत्र या उत्तराधिकारी तर्पण करते हैं। यह तर्पण जल और श्वेत पुष्प द्वारा किया जाता है।

5. ÷यम तर्पण÷ - यह तर्पण यम देव के लिए दक्षिण की ओर करना चाहिए, जिसमें काले तिल का विशेष महत्व रहता है। इसके अलावा कुश के मूल भाग से तर्पण करना श्रेष्ठ माना जाता है।

6. ÷**साधारण मनुष्य पितृ तर्पण**÷ – यह तर्पण अपने पूर्वजों, पितरों के लिए सफेद तिल और कुश द्वारा किया जाना चाहिए।

पितृपक्ष में पितरों के लिए श्राद्ध और तर्पण करने का महत्त्व स्पष्ट करता है महाभारत का यह श्लोक। इस श्लोकमें कहा गया है-

**श्राद्धं कन्यागते भानौ यो न कुर्याद् गृहाश्रमी।**
**धनं पुत्राः कुततस्य पितृकोपाग्निपीडनात।।÷**
**÷यावच्च कन्यातुलयोः क्रमादास्ते दिवाकरः।**
**शून्यं प्रेतपुरं तावद् यावद् वृश्चिकदर्शनम।।÷**

अर्थ : कन्या राशि में सूर्य के रहते, जो गृहस्थाश्रमी श्राद्ध नहीं करता, उसे पितरों की कोपाग्नि के कारण धन, पुत्र इत्यादि की प्राप्ति कैसे होगी ? उसी प्रकार सूर्य जब तक कन्या एवं तुला राशियों से वृश्चिक राशि में प्रवेश नहीं करता, तब तक पितृलोक रिक्त रहता है। पितृलोक के रिक्त रहने का अर्थ है, उस काल में कुल के सर्व पितर आशीर्वाद देने के लिए अपने वंशजों के समीप आते हैं और वंशजों द्वारा श्राद्ध तर्पण न किए जाने पर शाप देकर चले जाते हैं । अतः श्राद्ध पक्ष में श्राद्ध करना और तर्पण करना बहुत ही महत्त्वपूर्ण और विशिष्ट कर्म माना गया है।

**यह निजी विचार है।**

# भारतीय इतिहास के गौरव छत्रपति संभाजी महाराज

उमेश कुमार सिंह

÷भारत के इतिहास के गौरवः छत्रपति संभाजी महाराज÷ डॉ. राकेश कुमार आर्य द्वारा रचित पुस्तक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कृति है, जो भारतीय इतिहास में छत्रपति संभाजी महाराज के अद्वितीय व्यक्तित्व और उनके योगदान को उजागर करती है। यह पुस्तक न केवल इतिहास प्रेमियों के लिए बल्कि युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत है, क्योंकि इसमें शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा साम्राज्य के द्वितीय छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन के अछुए पहलुओं को बड़ी संजीदगी और गहराई के साथ प्रस्तुत किया गया है।

पुस्तक के लेखक डॉ. राकेश कुमार आर्य ने अपने इतिहास लेखन में जो विशेष दृष्टिकोण अपनाया है, वह इस प्रकार है कि वे अपने इतिहासनायकों के व्यक्तित्व के उन पहलुओं को सामने लाते हैं, जिन्हें सामान्य प्रचलित इतिहास ने अनदेखा किया है। डॉ. आर्य के अनुसार, संभाजी महाराज केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि एक दूरदर्शी नेता और भारत को मुगलविहीन राष्ट्र बनाने का सपना देखने वाले देशभक्त भी थे। यह पुस्तक पाठकों को यह समझने में मदद करती है कि संभाजी महाराज ने अपने पिता छत्रपति शिवाजी महाराज के 'हिंदवी स्वराज्य' के विचार को आगे बढ़ाते हुए एक ऐसे भारत का निर्माण करने का संकल्प लिया, जहां मुगलों का प्रभाव समाप्त हो।

लेखक ने पुस्तक में यह स्पष्ट किया है कि भारतीय इतिहास में संभाजी महाराज के व्यक्तित्व और उनके योगदान के साथ अन्याय हुआ है। इतिहासकारों और लेखकों ने उनके कृतित्व को सही सम्मान नहीं दिया, और उन्हें मुग़ल प्रेमी दृष्टिकोण के आधार पर प्रस्तुत किया। डॉ. आर्य का प्रयास इसे बदलना और संभाजी महाराज की वास्तविक महानता को सामने लाना है। लेखक का मानना है कि संभाजी महाराज भारतीय इतिहास के गौरव हैं और उनका उचित सम्मान और स्थान स्थापित करना युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है, ताकि वे अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर वर्तमान समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

पुस्तक का प्रारंभ संभाजी महाराज के पिता छत्रपति शिवाजी महाराज से होता है और उनके 'हिंदवी स्वराज्य' की विचारधारा को विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इसके बाद संभाजी महाराज के बचपन, शिक्षा, विवाह और उनके प्रारंभिक जीवन की घटनाओं का उल्लेख है, जो उनके चरित्र और नेतृत्व क्षमता को उभारते हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तक में उनके साहित्यिक पक्ष, प्रशासनिक दृष्टिकोण और प्रजाहितकारी कार्यों को भी दर्शाया गया है। संभाजी महाराज न केवल युद्धकला में प्रवीण थे, बल्कि एक लेखक और विचारक के रूप में भी उभरकर सामने आए।

पुस्तक में 'छावा' फिल्म और इसके निर्माण का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें संभाजी महाराज की भूमिका विक्की कौशल ने निभाई है। फिल्म ने संभाजी महाराज के व्यक्तित्व को नया स्वरूप दिया है और युवाओं में उनके प्रति सम्मान और गौरव की भावना पैदा की है। लेखक के अनुसार, इस प्रकार की फिल्में हमारे अतीत के गौरवशाली पहलुओं से युवाओं को परिचित कराने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। माता जीजाबाई की प्रेरणा और मार्गदर्शन ने शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज दोनों को राष्ट्रवाद और वीरता के मार्ग पर अग्रसर किया।

पुस्तक में संभाजी महाराज के युद्ध, उनके बलिदान और धार्मिक आस्थाओं का विशेष उल्लेख किया गया है। विशेष रूप से उनके बुरहानपुर में कैद होने और औरंगजेब द्वारा दिए गए अत्याचारों के दौरान उनका साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने मृत्यु को भी मातृभूमि की सेवा और धर्म की रक्षा के लिए स्वीकार किया। यह उनके दृढ़ निश्चय और त्याग की अनूठी मिसाल है।

संभाजी महाराज के प्रशासनिक कौशल, मुगलों और पुर्तगालियों के साथ उनके संघर्ष, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से संबंध, मराठा-मैसूर संबंध और भारत बचाओ अभियान का उल्लेख भी पुस्तक में किया गया है। इन अध्यायों में उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के लिए किए गए प्रयासों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया गया है। कवि कलश और अन्य साथियों के बलिदान का वर्णन इस बात की पुष्टि करता है कि संभाजी महाराज केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि उनके नेतृत्व में कई वीर सपूतों ने भी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

पुस्तक के लेखक ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारतीय इतिहास के साथ अन्याय हुआ है। हमारे वीर और धर्मयोद्धाओं के बलिदानों को भुला दिया गया और सनातन संस्कृति की रक्षा करने वालों को उचित सम्मान नहीं मिला। इस संदर्भ में डॉ. आर्य ने पुस्तक के माध्यम से इसे सही करने का प्रयास किया है। वे चाहते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी अपने अतीत की गौरवशाली घटनाओं से प्रेरणा लेकर अपने राष्ट्र और संस्कृति के प्रति गर्व महसूस करे।

पुस्तक में छत्रपति संभाजी महाराज के वंश परंपरा, उनके उत्तराधिकारी और भारतीय इतिहास में उनके योगदान का भी विस्तार से उल्लेख है। लेखक ने संभाजी महाराज को न केवल एक वीर योद्धा, बल्कि एक जीवंत और प्रेरणादायक इतिहास पात्र के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके कृतित्व और परिश्रम को स्मारक के रूप में संरक्षित करने का आग्रह लेखक ने विशेष रूप से किया है।

अंततः, ÷भारतीय इतिहास के गौरवः छत्रपति संभाजी महाराज÷ पुस्तक युवाओं और इतिहास प्रेमियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कृति है। यह पुस्तक न केवल एक ऐतिहासिक दस्तावेज है, बल्कि यह प्रेरणा, साहस और देशभक्ति की मिसाल भी प्रस्तुत करती है। डॉ. राकेश कुमार आर्य ने संभाजी महाराज के व्यक्तित्व और उनके कृतित्व के उस पक्ष को उजागर किया है, जो सामान्य इतिहास में छिपा रह गया था। पुस्तक का उद्देश्य केवल इतिहास को प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि इसे वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवंत बनाना है, ताकि वे अपने वीर इतिहास से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की सेवा में योगदान दे सकें।

संपूर्ण पुस्तक में लेखक का दृष्टिकोण स्पष्ट और दृढ़ है। उनका प्रयास यह है कि संभाजी महाराज को केवल एक मराठा योद्धा के रूप में नहीं बल्कि भारतीय इतिहास के गौरव और देशभक्ति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाए। यह पुस्तक वास्तव में इतिहास के प्रति सम्मान और जागरूकता पैदा करने वाली है।

डॉ. राकेश कुमार आर्य की यह पुस्तक हमारे इतिहास के एक ऐसे महान नायक छत्रपति संभाजी महाराज को उचित सम्मान और गौरव प्रदान करती है। यह युवाओं में देशभक्ति, साहस और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने में सहायक है। इतिहास के इन गौरवशाली पृष्ठों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुँचाना और उन्हें प्रेरित करना इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य है, जिसे लेखक ने पूरी मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ साकार किया है। यह पुस्तक निश्चित ही भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने में योगदान देती है और संभाजी महाराज के कृतित्व को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करती है।

**यह निजी विचार है।**

# भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा

विवेक शुक्ला

इधर देखने में आ रहा है कि अपने को उर्दू का सबसे बड़ा प्रवक्ता बताने वाले कुछ विद्वान कहते मिल जाते हैं कि अब भारत में उर्दू का कोई मुस्तकबिल (भविष्य) नहीं है। क्या इस तरह की कोई बात है? कतई नहीं।

बीते दिनों पटना में भारत में उर्दू इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा हुई। निष्कर्ष यह निकला कि उर्दू का भारत में रोशन भविष्य है। यह एक भाषा होने के साथ-साथ, तहजीब, परंपरा और प्यार की भाषा भी है, जो भारत की कोख से जन्मी है, और हर भारतीय भाषा, क्षेत्र, समाज, धर्म और संस्कृति की सुगंध शामिल है इसमें।

यह भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा है। यह विकसित भारत की भाषा है। अगर बात हिन्दी और उर्दू के संबंधों की करें तो हिन्दी और उर्दू, दोनों ही हिन्दुस्तानी भाषा की दो प्रमुख शाखाएं हैं। दोनों व्याकरणिक संरचना और मूल शब्दावली में लगभग समान हैं, लेकिन लिपि, शब्दावली का चयन और सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग पहचान रखती हैं। सिनेमा और मीडिया में भी दोनों भाषाएं एक-दूसरे की पूरक के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे बॉलीवुड फिल्मों में हिन्दी-उर्दू का मिश्रित प्रयोग। हालांकि, राजनीतिक और सांप्रदायिक कारणों ने इन भाषाओं को अलग करने की कोशिश की, फिर भी इनके साझा मूल और सांस्कृतिक विरासत ने इन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखा।

हिन्दी और उर्दू का यह अनोखा रिश्ता भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। उर्दू के साथ नाइंसाफी यह हुई कि इसे मुसलमानों की भाषा समझ लिया गया। विभाजन और पाकिस्तान बनने का जिम्मेदार तक समझ लिया गया, जो गलत है। उर्दू के गैर-मुस्लिम लेखकों और शायरों की भी कोई कमी नहीं है। इनमें फिराक गोरखपुरी, कृष्ण चंदर, मोहिंदर सिंह बेदी, राजेंद्र सिंह बेदी, जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, गोपी चंद नारंग शामिल हैं।

क्या केंद्र की मौजूदा सरकार देश में उर्दू के हक में काम कर रही है? इस बारे में सहमति थी कि मोदी सरकार ने उर्दू से जुड़ी संस्थाओं और संस्थानों को अपने राष्ट्र विकास मंत्र, 'सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वासऔर सब का प्रयास' से जोड़ा है जिसका जीता जगता उदाहरण नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज का पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का त्रि-दिवसीय समागम-उर्दू भाषा का भविष्य, विकसित भारत 2047-था।

देखिए, उर्दू भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनमोल रत्न है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी है और इसके लोगों के दिलों में बसी है। यह भाषा न केवल शब्दों का समूह है, बल्कि ऐसी सांस्कृतिक धारा भी है जो विभिन्न समुदायों को प्रेम और भाईचारे के सूत्र में बांधती है। उर्दू की मधुरता, शायरी, गजलें और कविताएं भारतीय साहित्य और कला को अनूठा आयाम प्रदान करती हैं। यह भाषा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता और सौहार्द का संदेश देती है।

उर्दू का जन्म भारत की मिट्टी में हुआ, और यह संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के मेल से विकसित हुई। इसकी उत्पत्ति दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुई, जहां इसे 'हिन्दवी' या 'देहलवी' के रूप में जाना जाता था। समय के साथ, उर्दू ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और आज भारत की प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत के संविधान में उर्दू को 22 अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया है, जो इसकी महत्ता को दर्शाता है।

उर्दू की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी समावेशी प्रकृति में निहित है। उर्दू ने हमेशा से सभी को गले लगाया है, और इसे हिन्दुस्तान के हर कोने में प्रेम मिला है। चाहे उत्तर प्रदेश की गलियों में गूंजती गजलें हों, हैदराबाद की दक्कनी उर्दू हो, या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के साहित्यिक समारोह हों, उर्दू हर जगह अपनी छाप छोड़ती है। इसकी शायरी और साहित्य में वह जादू है, जो सुनने वाले को भावनाओं के सागर में डुबो देता है।

मिर्जा गालिब, दाग देहलवी, मीर तकी मीर और फैज अहमद फैज जैसे शायरों ने उर्दू को ऐसी ऊंचाई दी, जो विश्व साहित्य में बेमिसाल है। उर्दू को बढ़ावा देने के लिए भारत में कई संस्थान और संगठन काम कर रहे हैं। उर्दू अकादमियां, साहित्यिक समारोह और स्कूलों में उर्दू की पढ़ाई इस भाषा को जीवित और समृद्ध रखने में योगदान दे रही हैं। ईमानदारी की बात तो यह है कि जहां-जहां कोई उर्दू बोलता है, वहां-वहां हिन्दुस्तान बोलता है।

राजा राम मोहन रॉय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, मुरली मनोहर जोशी आदि सभी मदरसों के छात्र रहे हैं। उर्दू ने विकसित और सुरक्षित भारत के लिए 'चमन', 'गुलजार', 'गुलशन', 'बाग-ओ-बहार', 'गुल-ए-बहार' आदि शब्दों का प्रयोग किया है। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि उर्दू का वर्तमान और भविष्य रोशन है। हां, अब उर्दू के दोस्तों और दुश्मनों की पहचान करना लाजिमी है।

**यह निजी विचार है।**

# केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भारत मंडपम में इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन

पीआईबी

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज नई दिल्ली में प्रगति मैदान के भारत मंडपम में इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। यह आयोजन रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग द्वारा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, चिकित्सा उपकरणों के लिए निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएमडी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के सहयोग से किया जा रहा है।

श्री गोयल ने अपने संबोधन में हाल के वस्तु और सेवाकर (जीएसटी) सुधारों को आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम बताया और 140 करोड़ भारतीयों से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ÷कल के जीएसटी सुधार एक आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम हैं - एक आत्मनिर्भर भारत जो 140 करोड़ भारतीयों की परवाह करता है और 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ एकजुट होगा, एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र जहाँ सभी को अवसर मिले, जहाँ हर कोई भारत की समावेशी और सतत विकास गाथा का भागीदार बने।÷

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने मुख्य भाषण देते हुए भारत को विश्व की फार्मेसी के रूप में स्थापित करने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच अधिक सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

# भारत ने खेलों में उन्नत डोपिंग रोधी परीक्षण के लिए दुर्लभ संदर्भ सामग्री विकसित की

**नाइपर, गुवाहाटी और एनडीटीएल ने वैश्विक डोपिंग रोधी प्रयासों के लिए 'मेथेनडिएनोन लॉन्ग टर्म मेटाबोलाइट' के सिन्थसाइज़ हेतु सहयोग किया**

पीआईबी

खेलों में डोपिंग रोधी प्रयासों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए औषधि विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधि शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (नाइपर), गुवाहाटी ने राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) नई दिल्ली के सहयोग से एक दुर्लभ और उच्च शुद्धता वाली संदर्भ सामग्री (आरएम) - मेथेनडिएनोन लॉन्ग टर्म मेटाबोलाइट (एलटीएम) का सफलतापूर्वक विकास किया है।

इस संदर्भ सामग्री का औपचारिक शुभारंभ आज नई दिल्ली में एनडीटीएल की 22वीं शासी निकाय बैठक के दौरान माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने किया गया। इस कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, औषधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और नाइपर गुवाहाटी और एनडीटीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संदर्भ सामग्री (आरएम) मादक पदार्थों या उनके मेटाबॉलिट्स के सबसे उच्च शुद्ध और वैज्ञानिक रूप से विशेषता रूप हैं। यह सटीक विश्लेषणात्मक परीक्षण के लिए आवश्यक हैं। डोपिंग रोधी के संदर्भ में ये 450 से अधिक पदार्थों का पता लगाने में महत्वपूर्ण हैं, जो वर्तमान में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा प्रतिबंधित हैं। डोप परीक्षण में इनके विशिष्ट अनुप्रयोग के कारण, ये आरएम विश्व स्तर पर केवल 4-5 निर्माताओं द्वारा उत्पादित किए जाते हैं। इससे ये दुर्लभ और अक्सर महंगे होते हैं। राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) और नाइपर-गुवाहाटी 22 ऐसी संदर्भ सामग्री तैयार करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो डोपिंग रोधी विश्लेषण के लिए दुनिया भर में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं। 2020 से 22 में से 12 आरएम को नाइपर, गुवाहाटी द्वारा संश्लेषित किया गया है और एनडीटीएल को वितरित किया गया है। इसमें मेथांडिएनोन एलटीएम नवीनतम है।

फिलहाल मेथांडिएनोन एलटीएम वैश्विक स्तर पर व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं है। वर्तमान परिदृश्य में खेलों में डोपिंग के दुरुपयोग का पता लगाने के लिए सबसे अच्छे टार्गेट्स वे हैं जो लंबे समय तक मूत्र के माध्यम से उत्सर्जित होते हैं। इन्हें आमतौर पर दीर्घकालिक मेटाबोलाइट्स (एलटीएम) कहा जाता है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह पंजाब में बाढ़ के हालातों का जायजा लेते हुए ।

नई दिल्ली के झंगोला में राजमार्ग पर एक गड्ढे के पास सड़क पर एक क्षतिग्रस्त ऑटो रिक्शा खड़ा है।

# सरकार किसानों और उपभोक्ताओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है: श्री प्रल्हाद जोशी

**दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद में आज से प्याज की खुदरा बिक्री शुरू**

पीआईबी

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी ने आज यहां एनसीसीएफ, नैफेड और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर 24 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की खुदरा बिक्री का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के साथ ही सरकारी बफर स्टॉक से प्याज की लक्षित और संतुलित मात्रा में आपूर्ति शुरू हुई,इससे उपभोक्ताओं को यह आवश्यक सब्जी किफायती दामों पर उपलब्ध हो सकेगी।

श्री जोशी ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है और मूल्य स्थिरीकरण प्रयासों के माध्यम से विभिन्न प्रत्यक्ष हस्तक्षेपों ने हाल के महीनों में मुद्रास्फीति दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जुलाई 2025 में, आठ वर्षों में सबसे कम सामान्य खुदरा मुद्रास्फीति 1.55 प्रतिशत रही । यह खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट का परिणाम है। बफर स्टॉक से प्याज का संतुलित और लक्षित निपटान, खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने के सरकार के प्रयासों का एक अभिन्न अंग है।

# केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने दूरसंचार सार्वजनिक उपक्रमों के तिमाही वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा की

**केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने बीएसएनएल, टीसीआईएल और आईटीआई से नवाचार, सेवा उत्कृष्टता और स्थिरता पर अपना ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया**

**उन्होंने बीएसएनएल के बदलाव की सराहना की और सार्वजनिक उपक्रमों को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला**

पीआईबी

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज प्रमुख दूरसंचार सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) - भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल), टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) और आईटीआई लिमिटेड की तिमाही वित्तीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

समीक्षा तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित थी: कर-पश्चात लाभ (पीएटी) प्रदर्शन, कारोबार के रुझान और भविष्य के विकास अनुमान। तीनों सार्वजनिक उपक्रमों ने उत्साहजनक प्रगति दिखाई, जो देश भर में सतत विस्तार और गहन डिजिटल कनेक्टिविटी की दिशा में सामूहिक प्रयास को दर्शाती है।

बैठक का एक प्रमुख आकर्षण बीएसएनएल का वित्तीय कायाकल्प था, जिसने लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा दर्ज किया है–यह उपलब्धि लगभग 18 वर्षों के बाद हासिल हुई है। बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में ?262 करोड़ और चौथी तिमाही में ?280 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के ?849 करोड़ के घाटे से काफी बेहतर है। इस सुधार के कारण कंपनी का वार्षिक घाटा लगभग 58त्न कम होकर ?2,247 करोड़ रह गया है।

यह वित्तीय समीक्षा पिछले महीने दिल्ली में आयोजित मुख्य महाप्रबंधकों (सीजीएम) की समीक्षा बैठक की गति पर आधारित है, जहाँ सभी 32 दूरसंचार सर्किलों के सीजीएम ने विकास, बेहतर ग्राहक सेवा और परिचालन दक्षता के लिए अपने रोडमैप प्रस्तुत किए थे। आज की बैठक में यह मूल्यांकन किया गया कि ये रणनीतियाँ राष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक वित्तीय परिणामों में कैसे परिवर्तित हो रही हैं।

मंत्री श्री सिंधिया ने बीएसएनएल के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह बदलाव सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को मजबूत करने और भारत की दूरसंचार क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत है।

टीसीआईएल के मामले में, वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्व में 17त्न की वृद्धि हुई है और लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। आईटीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 4323 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में दोगुने से भी अधिक की वृद्धि है और वित्त वर्ष 2024-25 में सकारात्मक ईबीआईटीडीए भी हासिल किया है। मंत्री महोदय ने बीएसएनएल, टीसीआईएल और आईटीआई से नवाचार, सेवा वितरण और सतत व्यावसायिक प्रथाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के एक लचीले, आत्मनिर्भर दूरसंचार क्षेत्र के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सरकार के अटूट समर्थन को दोहराया, जो देश के हर कोने में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करता है।

**कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता**
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा(छ.ग.)
ई मेल पताः- ee-ros.Dantewada@nic.in

// सामग्री सप्लाई हेतु मैनुअल पद्धति निविदा सूचना प्रथम बार//
-: निविदा कमांक-7 :-

क्रमांक/ 115 /लेखा/निविदा/ग्रा.यां.सेवा/2025, दन्तेवाड़ा, दिनांक- 2/9/2025

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 18/09/2025 अपरान्ह 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।(महात्मा गॉधी राष्ट्रीय रोजगार गारटी योजना एवं डी.एम.एफ. दोनों अलग-अलग योजना अंतर्गत प्राप्त स्वीकृत निर्माण कार्यो के लिये नीचे दर्शाये अनुसार सामग्री प्रदाय एवं भवन निर्माण कार्य करना आवश्यक है)

| स. क. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू. लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य स्कूलपारा कंवलनार/स्कूलपारा नेटापुर/कोचीपारा चितालूर एवं डोंगरीपारा धुरली (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित)(नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख)प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 4 नग) | 37.54 लाख |
| 2 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य बंडीपारा अरनपुर/धुरवापारा अरनपुर/धुरवापारा गढ़मिरी एवं बैयापारा हितावर (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित)(नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 4 नग) | 37.54 लाख |
| 3 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य उड़िया कैम्प-1 कोड़ेनार/ पाढ़ापारा मैलावाड़ा एवं माहरापारा मैलावाड़ा (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित)(नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 3 नग) | 28.155 लाख |
| 4 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य नहाड़ी/लेकामपारा पालनार एवं कुंजामपारा समेली (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित) (नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 3 नग) | 28.155 लाख |
| 5 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य सरपंचपारा मटेनार एवं अस्पतालपारा पोंदुम (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित) (नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 2 नग) | 18.77 लाख |
| 6 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य मिडलगोंडी भटपाल/माडपाल जामपदर कटुलनार एवं पुलरामपारा कोरकोटी (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित)(नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 3 नग) | 28.155 लाख |
| 7 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य उषापारा सालनार मुस्तलनार/ माड़ियापारा मुस्तलनार/ स्कूलपारा पाहुरनार एवं मांझीपारा फरसपाल (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित) (नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165लाख)प्रतिनगयोग-9.385 लाख(कुल 4 नग) | 37.54 लाख |
| 8 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य पटेलपारा चिकपाल/गुड़से राजापारा एवं छोटेबेड़मा भीमापारा कोरीरास (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित) (नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 3 नग) | 28.155 लाख |
| 9 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य नयापारा मार्जुम/गोंचापारा परचेली एवं डोंगरीपारा तेलम (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित) (नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 3 नग) | 28.155 लाख |
| 10 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य बोझापारा बुरगुम/नंदपारा बुरगुम/पुजारीपाल नं.-1 बुरगुम एवं पुजारीपाल बुरगुम (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित) (नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख(कुल 4 नग) | 37.54 लाख |
| 11 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य हांदोड़ीपारा गढ़मिरी/बड़ेहड़मामुंडा गोंगपाल एवं आलनार गुमियापाल (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित)(नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22 लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख (कुल 3 नग) | 28.155 लाख |
| 12 | ऑगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य हुर्रापारा कुआकोंडा/धुरवापारा पोटाली/डोंगरीपारा टिकनपाल एवं केशापारा पोटाली (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग एव विद्युतीकरण सहित) (नरेगा अंतर्गत सामग्री सप्लाई प्रति नग राशि 6.22लाख एवं डीएमएफ अंतर्गत भवन निर्माण हेतु राशि 3.165 लाख) प्रति नग योग-9.385 लाख(कुल 4 नग) | 37.54 लाख |

2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट http://res.cg.gov.in में दिनांक 06/09/2025 से 15/09/2025 तक निशुल्क डाऊनलोड की जा सकती है ।

G- 252603225/2

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

# कोयला मंत्रालय ने मुंबई में स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह में उत्कृष्ट कोयला और लिग्नाइट खदानों को सम्मानित किया

पीआईबी

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा, खनन क्षेत्र को सामाजिक-आर्थिक विकास में उत्प्रेरक, रोजगार के अवसर सृजित करने और कोयला उत्पादन क्षेत्र में जीवन गुणवत्ता में सुधार लाना चाहिए

कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दूबे ने कहा, दायित्वपूर्ण खनन को उत्पादन दक्षता के साथ ही पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक ढंग से खदान बंद करने और सामुदायिक कल्याण को समान प्राथमिकता देनी चाहिए

कोयला क्षेत्र में हितधारकों के लिए पारदर्शिता, दक्षता और सूचना पहुंच बढ़ाने के लिए इंटरैक्टिव डैशबोर्ड के साथ नए सीसीओ वेबसाइट का उद्घाटन किया गया

कोयला मंत्रालय ने सुरक्षा, पर्यावरण प्रबंधन, वैज्ञानिक खनन, उत्पादकता और सामुदायिक कल्याण जैसे प्रमुख मानकों में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाली कोयला खदानों को पुरस्कृत करने के लिए आज मुंबई में स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह आयोजित किया। इसमें सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और परिचालन उत्कृष्टता दर्शाने वाले उत्कृष्ट कोयला और लिग्नाइट खदानों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे और कोयला मंत्रालय सचिव श्री विक्रम देव दत्त की उपस्थिति में ये पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर, हितधारकों के लिए पारदर्शिता, दक्षता और सूचना पहुंच बढ़ाने हेतु एक इंटरैक्टिव डैशबोर्ड के साथ ही नई डिज़ाइन की गई सीसीओ वेबसाइट का भी उद्घाटन किया गया। स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह में सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और उत्पादकता में असाधारण प्रदर्शन करने वाले खदानों को सम्मानित किया गया। अन्य उच्च प्रदर्शन करने वाली खदानों को भी प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिए गए। यह इस क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। श्री जी. किशन रेड्डी ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खदानों को फाइव-स्टार पुरस्कार प्रदान किए और सुरक्षा एवं स्थिरता के वैश्विक मानकों के पालन के साथ राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्टार रेटिंग पहल केवल पुरस्कार ही नहीं, बल्कि दायित्वपूर्ण खनन का मानक है। उन्होंने सभी खदानों से फाइव-स्टार दर्जा पाने के प्रयास करने को कहा।

कार्यक्रम में कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) और अनुसंधान एवं विकास पर हैकथॉन के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिससे कोयला मंत्रालय की संधारणीय प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। इन उपलब्धियों के अलावा, दो महत्वपूर्ण रूपरेखा- एलआईवीईएस (लाईव्स) और अर्थ (एआरटीएचए) का अनावरण भी किया गया। एलआईवीईएस (लाईव्स), व्यापक प्रचालन निदेशिका है जिसे वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप दायित्वपूर्ण और सतत खदानों को बंद करने के मानक के रूप में तैयार किया गया है, जबकि अर्थ, एक हरित वित्तपोषण रूपरेखा है जिसका उद्देश्य पुनः प्राप्त खदानों को उत्पादक और पर्यावरण अनुकूल परिसंपत्तियों में परिवर्तित करने के लिए निवेश समायोजित करना है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने अपने मुख्य संबोधन में, उच्चतम सुरक्षा और पर्यावरण मानकों के पालन के साथ परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के असाधारण प्रदर्शन के लिए सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने मूल्य संवर्धन, उत्सर्जन में कमी और नए औद्योगिक अवसर उत्पन्न करने के लिए कोयला गैसीकरण में तेजी लाने और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया। श्री रेड्डी ने कहा कि समय आ गया है जब आयात पर निर्भरता समाप्त कर कोयला निर्यात की क्षमता निर्माण की ओर कदम बढ़ाए जाएं, साथ ही कोयला साफ करने के उपाय वाशरी के अधिक उपयोग से कोयले की गुणवत्ता में सुधार किया जाए।

## पूर्व महामहिम राज्यपाल जी शिक्षक सम्मान समारोह में होंगे शामिल

**जांजगीर चांपा** / 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर श्री महन्त लाल दास शिक्षण संस्थान शिवरीनारायण के द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में महाराष्ट्र राज्य के पूर्व महामहिम राज्यपाल माननीय रमेश बैस जी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के सभागार में आयोजित होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व महामहिम दोपहर 12 :00 बजे शिवरीनारायण पहुंचेंगे। भगवान श्री नर –नारायण जी की दर्शन पूजन के उपरांत शिवरीनारायण मठ में उनका आगमन होगा। दर्शन पूजन संपन्न होने के उपरांत वे श्री महन्त लाल दास कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में उपस्थित होंगे। यहां शिक्षकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में वे मुख्य अतिथि होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज करेंगे। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात माननीय पूर्व राज्यपाल जी शिवरीनारायण से रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

# कलेक्टर–एसपी ने ली जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

### विभागों के आपसी समन्वय से बनेगा नशामुक्त जिला - महोबे

### अवैध नशीले पदार्थों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

**जांजगीर-चांपा** / जिले में स्वापक मनः प्रभावी पदार्थों के अनाधिकृत व्यवसायियों पर व्यापक और प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय पांडेय ने ली। बैठक में जिले में नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की गई। कलेक्टर ने पुलिस, औषधि, आबकारी और समाज कल्याण विभाग को आपसी समन्वय से कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि नशे के प्रभाव को रोका जा सके। इस दौरान सभी विभागों से नशा की शिकायत एवं नशा मुक्ति के लिए 1933 टोल फ्री नंबर का प्रचार प्रसार करने कहा गया।

बैठक में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। समाज में जागरूकता ही इस दिशा में सबसे प्रभावी कदम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशा उन्मूलन के लिए विभिन्न स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएँ, जिसमें विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज और ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में नशे के दुष्प्रभावों को रोकने, नशे की उपलब्धता पर नियंत्रण और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि नशामुक्त जिला बनाने के लिए सभी विभागों का सहयोग अनिवार्य है। प्रशासन, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संगठनों की संयुक्त पहल से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है। बैठक में वन मंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर, सर्व एसडीएम सहित शिक्षा विभाग सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गंभीर खतरा है। इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सभी विभागों को एक साथ मिलकर प्रभावी कार्य करना है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिले में नशा नियंत्रण से संबंधित सभी कार्रवाई और गतिविधियों का नियमित अपडेट किया जाए। जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स की नियमित जांच की जाए और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कदम उठाए जाएं। उन्होने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में विशेष जागरूकता अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर के 100 मीटर की दूरी पर कोई भी पान गुमटी एवं गुटखा, सिगरेट के दुकान नहीं होना चाहिए, होने पर हटवा कर कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही करे।

# खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल परियोजना भूमि अधिग्रहण के लिए 28 गांव चिह्नित

### कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में रेलवे भूमि अधिग्रहण सहित विभिन्न विभागीय भू-अर्जन के मामलों को लेकर हुई बैठक

### पीडब्ल्यूडी, आरईएस, हाउसिंग बोर्ड, जल संसाधन, पीएमजीएसवाय, एनएएचआई सहित विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा





**जांजगीर-चांपा** / कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की खरसिया-नया रायपुर,परमलकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 किलोमीटर) के निर्माण हेतु आवश्यक भूमि अधिग्रहण से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। इसके साथ ही उन्होंने पीडब्ल्यूडी, आरईएस, हाउसिंग बोर्ड, जल संसाधन, पीएमजीएसबाय, एनएएचआई सहित विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की और भूअर्जन की प्रगति, लंबित मामलों, आपत्तियों तथा प्रभावित भूमि के मुआवजे से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एडीएम श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर, सर्व एसडीएम सहित बैठक में उप मुख्य अभियंता निर्माण बिलासपुर रेलवे, मुख्य परियोजना प्रबंधक, मध्य निर्माण बिलासपुर के अधिकारी, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, सेतु विभाग, जल संसाधन विभाग तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग, हाउसिंग बोर्ड, राजस्व विभाग जांजगीर-चांपा के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा प्रस्तावित नई रेलवे लाइन के संभावित अभिसरण क्षेत्र में आने वाले ग्रामों की भूमि की खरीदी-बिक्री शासन के निर्देशानुसार भू-अर्जन की कंडिकाओ का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने कहा कि रेलवे की प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़, बम्हनीडीह, शिवरीनारायण और पामगढ़ तहसील के कुल 28 गांव अधिग्रहण क्षेत्र में आएंगे। इन गांवों में करनौद, तिवारीपारा, देवरी, लोहर्सी, खोरसी, हदहा, तनौद, कमरीद, कोढाभाट, भुइगांव, चुरतेला, खरखौद, खैराडीह, शुक्लाभाठा, ससहा, पेंड्री, बरगांव, किरीत, खैरताल, खपराडीह, तेंदुआ, तुलसी, गंगाजल, कटौद, कुरयारी, बेल्हा, कपिस्दा और कनकपुर शामिल हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व में ग्राम खरौद एवं गोविंदा की जमीन की खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन अब प्रस्तावित अभिसरण (अलाइनमेंट) में इन दोनों ग्रामों को सम्मिलित नहीं किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि चूँकि ग्राम खरौद और गोविंदा रेलवे परियोजना की वर्तमान सीमा में नहीं आते हैं, इसलिए यहां की भूमि की खरीदी-बिक्री पर कोई प्रतिबंध लागू नहीं होगा। गांव में जमीन की खरीदी-बिक्री की जा सकती है।

## वामन द्वादशी के अवसर पर की गई पूजा अर्चना अमेठी बाड़ा में

**संवाददाता।** पलारी के समीप स्थित श्री दूधाधारी मठ के ग्राम अमेठी के निर्माणाधीन बाड़ा में वामन द्वादशी के अवसर पर भगवान विष्णु के पांचवें अवतार वामन भगवान की विशेष पूजा अर्चना की गई। ग्राम वासियों को केला, मिठाई, फल्ली दाना, इलायची दाना एवं नारियल का प्रसाद वितरित किया गया। भगवान के वामन अवतार के संदर्भ में राजेश्री महन्त जी महाराज ने अपने संदेश में कहा कि- राजा बलि के अहंकार को दूर करने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण किया और उन्हें पृथ्वी लोक से पाताल लोक में भेज दिया। इस संदर्भ में लिखा है कि- *तेरी मर्जी कुछ नहीं, करता के तत्काल। बाली चाहे बैकुंठ को, भेज दिए पाताल।।* अर्थात इस संसार में जो कुछ भी होता है वह भगवान की इच्छा से ही होता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ साहित समस्त देशवासियों को वामन द्वादशी की बधाई दी है।

## महिला को डरा धमका कर अनाचार करने के आरोपी को बलौदा पुलिस ने पकड़ा

**जांजगीर चांपा** / महिला को डरा धमका कर अनाचार करने के आरोपी को बलौदा पुलिस ने पकड़ा है ।मामले का विवरण इस प्रकार है कि आरोपी द्वारा पीड़िता को डरा धमका कर जबरदस्ती अनाचार किया, जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध दिनांक 3 सितंबर 2025 को थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 358/25 धारा 64,69, 351(2) ब्हृस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए थाना बलौदा पुलिस द्वारा आरोपी सुरेश सोनवानी को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, सउनि प्रतिभा राठौर, आर0 श्याम राठौर, प्रहलाद निर्मलकर का विशेष योगदान रहा।

## लायंस स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह 5 को

**चांपा।** स्थानीय लायंस क्लब इंडिया द्वारा सेकरेड हार्ट स्कूल में लायंस क्लब चांपा द्वारा शुक्रवार 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन दोपहर 2 बजे से किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए लायंस क्लब के सचिव लायन राजेश अग्रवाल ने बताया कि सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि नगर के नव नियुक्त निःशुल्क पशु चिकित्सक तथा विशिष्ट अतिथि कार्यालयीन पशु चिकित्सक डॉ. प्रजापति होंगे। समारोह में विशेष रूप से विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डिवीजनल चेयरमैन लायन डॉ. के.के. अग्रवाल मौजुद रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन संजीव कुमार सोनी करेंगे। समारोह में लायंस क्लब के सभी सदस्य, शिक्षक सहित नगर के सेवानिवृत्त शिक्षकों तथा लायंस क्लब के सदस्यों के अलावा आमजनो से उपस्थिति का अनुरोध किया गया है।

## रायपुर में होगा खेल शिक्षक रमेश तिवारी का सम्मान छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राम्हण समाज का आयोजन



**जांजगीर चांपा** / छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा 6 सितंबर को रायपुर में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया है जिसमें जिले से खेल शिक्षक रमेश तिवारी का सम्मान किया जाएगा । यह समारोह वृंदावन हाल सिवील लाइन रायपुर में दोपहर 3 बजे से रखा गया है जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती मीनल चौबे महापौर रायपुर , अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती पूजा विधानी महापौर बिलासपुर , विशिष्ट अतिथि श्रीमती हर्षिता पाण्डेय पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग , श्रीमती राधा पाण्डेय प्राचार्य संस्कृत कालेज रायपुर , मुख्य वक्ता श्री हरिओम शर्मा प्रांत संयोजक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथ कार्यक्रम अध्यक्षा श्रीमती भारती किरण शर्मा प्रदेशाध्यक्ष प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज उपस्थित रहेंगे ।

## अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ते हमारे कदम... श्रीमती ज्योति रात्रे पर्वतारोही

**जांजगीर चांपा।** श्रीमती ज्योति रात्रे पर्वतारोही अद्वितीय एवं ऐतिहासिक कार्य, जब आपने माउंट एवरेस्ट की 8848.49 मीटर ऊँची चोटी पर 19 मई 2024 को विजय प्राप्त की और देश की सबसे पहली उम्रदराज़ महिला पर्वतारोही का गौरव हासिल किया, सम्पूर्ण राष्ट्र को गौरवान्वित करता है। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार, आपके इस साहस, संकल्प और प्रेरणादायी व्यक्तित्व को नमन करता है।

आपके द्वारा 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर जारी किया गया भावपूर्ण एवं मार्गदर्शक वीडियो, निश्चय ही समाज को नेत्रदान हेतु जागरूक करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस अमूल्य योगदान हेतु संस्था पुनः सहृदय आभार प्रकट करती है। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल एवं राष्ट्रीय चेयरमैन जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने समस्त नागरिक बंधुओं सेआग्रह किया है कि कृपया इस महत्वपूर्ण वीडियो को अवश्य देखें और ÷अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ते हमारे कदम÷ के दृढ संकल्प को और अधिक गति प्रदान करें। आइए! हम सभी मन, वचन और कर्म से ÷नेत्रदान-अभियान÷* में सहभागी बन कर, अनगिनत अंधेरे जीवनों में नई रोशनी जगाने का संकल्प लें। यही हमारी आपसे अपेक्षा है और यही अनुरोध भी।

## मोहम्मद साहब के पंद्रह सौवा वर्ष पर मुस्लिम समाज का जुलुस आज

**जांजगीर चांपा** / इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के पंद्रह सौंवा पैदाइश दिवस आज 5 सितंबर शुक्रवार को उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए मुस्लिम जमात नैला के कार्यकारी अध्यक्ष रफीक सिद्दिकी ने बताया कि आज 5 सितंबर शुक्रवार को प्रात : 9 बजे नैला मस्जिद के पास से मोटर साइकिल रैली ( जुलुस ) निकलेगी जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुरानी बस्ती नैला में समाप्त होगी । इसी तरह दोपहर शुक्रवार नमाज के बाद मस्जिदों में परचम कुसाई( ध्वजारोहण ) किया जाएगा और दोपहर 3 बजे नैला मस्जिद के पास से पैदल जुलूस आरंभ होगी जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नैला मस्जिद के पास शीरनी (प्रसाद) वितरण के साथ समाप्त होगी । आयोजित कार्यक्रमों में तय वक्त पर जमात के लोगों से भाग लेने की अपील हाजी अहमद सलाम खान सदर ने की है ।

## चाकू से प्राणघातक हमला के आरोपियों को अकलतरा पुलिस ने दबोचा

**जांजगीर चांपा** / चाकू से प्राणघातक हमला के आरोपीयों को अकलतरा पुलिस ने दबोच लिया है।मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी ई महेश राव ?निवासी सिरगिट्टी बिलासपुर हाल गुरूघासी दास मोहल्ला अकलतरा जो दिनांक 2 सितंबर के करीबन 6.30 बजे के समय अकलतरा अंग्रेजी शराब भट्ठी के पास था , तभी दो लोग बगल के टेबल में शराब पीने आये जो छोटा वाला साउड सिस्टम रखकर तेज आवाज में गाना बजा रहे थे, एक लडका पीले रंग का टी शर्ट पहना हुआ था वह बोला तुम बाहरी हो क्या शकल सुरत से बाहरी नजर आ रहे हो । तब प्रार्थी बोला कि मै यही गुरूघासी दास मोहल्ला अकलतरा में रहता हूं तब उन लोग प्रार्थी को बोले कि हमें घूर घूर के क्या देख रहा है कहकर उसे डंडे से मारने लगे प्रार्थी अपने हाथ से बचाव किया तो दूसरा ब्यक्ति गुस्से में आकर हत्या करने की नियत से चाकू निकालकर प्रार्थी के छाती में मार दिया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध अपराध कमांक 421/2025 धारा 109, 296, 3(5) ब्हृस ब्हृस कायम कर विवेचना में लिया गया था।

# जीएसटी सुधार से घटेंगे बोझ, बढ़ेगी आत्मनिर्भरता : घनश्याम तिवारी प्रदेश संयोजक पैक्स प्रकोष्ठ सहकार भारती छत्तीसगढ़

संवाददाता

जांजगीर चांपा /

भारत सरकार ने इस दिवाली देशवासियों को बड़ा तोहफा देते हुए नेक्स्ट-जेन जीएसटी सुधार लागू करने की घोषणा की है। इस सुधार के तहत दैनिक उपयोग की वस्तुओं से लेकर कृषि उपकरण, शिक्षा सामग्री, स्वास्थ्य सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक पर टैक्स की दरें घटाई गई हैं।

घनश्याम तिवारी, प्रदेश संयोजक, पैक्स प्रकोष्ठ सहकार भारती छत्तीसगढ़ एवं रामप्रकाश केशरवानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष सहकार भारती छत्तीसगढ़ ने सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि– ÷यह कदम वास्तव में आम नागरिकों की जिंदगी को आसान बनाने वाला है। सहकारिता क्षेत्र, किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए यह जीएसटी सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।÷

### दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुएं होंगी सस्ती

अब हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, टॉयलेट सोप, ब्रश, शेविंग क्रीम पर जीएसटी 18त्न से घटकर केवल 5त्न हो गया है। वहीं घी, मक्खन, चीज़, पैकेज्ड नमकीन, बर्तन, सिलाई मशीन के पार्ट्स और बच्चों की नैपकिन पर भी टैक्स कम होकर सिर्फ 5% रह गया है।

### किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

खेती-किसानी से जुड़ी वस्तुएं जैसे ट्रैक्टर, ट्रैक्टर टायर-पार्ट्स, ड्रिप इरिगेशन सिस्टम, बायो-पेस्टीसाइड्स और कृषि यंत्रों पर जीएसटी घटाकर 5त्न कर दिया गया है। इससे किसानों की लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी।

### स्वास्थ्य क्षेत्र में राहत

स्वास्थ्य बीमा पर टैक्स पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वहीं थर्मामीटर, मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन, डायग्नॉस्टिक किट्स, ग्लूकोमीटर और चश्मों पर भी टैक्स घटाकर 5त्न कर दिया गया है।

### शिक्षा को मिलेगी मजबूती

नक्शे, चार्ट्स, ग्लोब्स, पेंसिल, शार्पनर, कॉपी-किताबें और रबर अब पूरी तरह टैक्स-फ्री हो गए हैं। यह सुधार छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत देगा।

### वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होंगे किफायती

हाइब्रिड पेट्रोल-डीजल कारों, टू-व्हीलर, मोटरसाइकिल और सामान ढोने वाले वाहनों पर टैक्स 28त्न से घटकर 18त्न कर दिया गया है। एयर कंडीशनर, टीवी, मॉनिटर, प्रोजेक्टर और डिशवॉशिंग मशीन भी अब सस्ते हो जाएंगे।

घनश्याम तिवारी एवं रामप्रकाश केशरवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का विशेष धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि– सरकार के इन प्रयासों से सहकारिता समितियों के माध्यम से जुड़े किसान, उपभोक्ता और छोटे व्यवसायियों को सीधा लाभ मिलेगा। यह सुधार न केवल आर्थिक बोझ कम करेगा बल्कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को और मजबूत करेगा।÷

## 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान अंतर्गत कार्यशाला आयोजित

**जांजगीर- चांपा** / कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के तहत चांपा के बेलदारपारा एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय जर्वे में जागरूकता सत्र एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं और नीतियों की जानकारी दी गई। इसमें मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को दी जाने वाली वित्तीय सहायता, शत-प्रतिशत पंजीयन, ऋ ण एवं सक्षम योजना, हिंसा एवं प्रताड़ना से पीड़ित महिलाओं को सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से दी जाने वाली सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही नवा बिहान योजना, महिला संरक्षण अधिनियम 2005, तथा कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई ने बाल संरक्षण संबंधी कानूनों, बाल विवाह कराने वाले परिजनों, पंडित एवं अन्य सहभागी रिश्तेदारों पर कानूनी कार्यवाही, नाबालिग बच्चों से जुड़े अपराधों में पॉक्सो अधिनियम के तहत कड़ी कार्यवाही की जानकारी दी गई। बच्चों को गुड टच-बैड टच, बाल विवाह की कुरीति एवं उसके दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान पोषण मेला एवं वजन त्यौहार का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों का वजन एवं पोषण स्तर जांच कर विकास की दर जानी गई।

खास खबर

## 42 लाख से तीन कक्ष बनेंगे पीजी कॉलेज में, छात्र-छात्राओं को मिलेगी सुविधा

**कोरबा,।** शासकीय इंजीनियरिंग विश्वेश्वरैया स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा में तीन अतिरिक्त कक्ष का निर्माण 40 लाख से होगा। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष चंद्रलोक सिंह एवं समिति के सभी सदस्यों ने इसका भूमिपूजन किया। प्राचार्य भी यहां मौजूद थे।

बताया गया कि अतिरिक्त कक्ष कॉलेज के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। छात्र संख्या में बढ़ोत्तरी होने से वर्तमान में उपलब्ध संसाधन नाकाफी साबित हो रहे हैं। नए निर्माण से सुविधा होगी। भवन निर्माण के संबंध में अध्यक्ष के द्वारा महाविद्यालय के प्रोफेसर से चर्चा की गई। आगे जो भी विकास कार्य के लिए चर्चा की गई और उसको पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि बेहतर सुविधा महाविद्यालय में पढ़ रहे छात्र छात्राओं को उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। चंद्रलोक सिंह ने बताया कि विद्यार्थी हित में कुछ और भी काम किए जाने हैं। इसके लिए जिला प्रशासन से चर्चा की गई है। जल्द ही इस दिशा में कार्यवाही होगी। भूमि पूजन में डॉ. एस के गोभिल , सुशील कुमार गुप्ता , संदीप शुक्ला, के. एस. कंवर, डॉ. आर बी शर्मा मैडम, के. आर. टंडन , सांसद प्रतिनिधि रवि सोनी, पार्षद राकेश वर्मा, जनभागीदारी समिति सदस्य विवेक रजवाड़े, राम यादव, युराज चंद्रा, एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## दीपका एसईसीएल प्रबंधन वेतन से जबरन कटौती बर्दाश्त नहीं चंदा कटौती का विरोध

**कोरबा,।** साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) दीपका क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा फूट पड़ा है। 100 से अधिक श्रमिकों ने कार्मिक प्रबंधक को पत्र सौंपकर सैलरी से जबरन विश्वकर्मा पूजा चंदा कटौती का विरोध किया है। मजदूरों ने साफकहा है कि पूजा में उनकी आस्था है और वे स्वेच्छा से योगदान देने को तैयार हैं, लेकिन वेतन से जबरन कटौती किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं होगी। श्रमिकों ने प्रबंधन को चेताया है कि उनकी खून-पसीने की कमाई से बिना अनुमति की गई कटौती सीधे उनके अधिकारों पर चोट है। पत्र में श्रमिकों ने लिखा- हम विश्वकर्मा पूजा का महत्व समझते हैं और उसमें शामिल होना चाहते हैं, लेकिन हमारी कमाई से जबरन पैसा काटना गलत है। यह पूरी तरह स्वैच्छिक होना चाहिए।

श्रमिकों ने यह भी तर्क दिया कि मौजूदा आर्थिक हालात में मजदूर पहले से ही संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में जबरन कटौती उनके घर-परिवार के बजट को प्रभावित करती है।

इस पूरे मामले में अब तक प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन मजदूरों का यह एकजुट विरोध संकेत देता है कि यदि आवाज नहीं सुनी गई तो यह मामला बड़ा आंदोलन का रूप ले सकता है।

# युक्तियुक्त करण के बाद जॉइनिंग नहीं करने वाले शिक्षकों पर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

**निर्धारित समय पर छात्रों को नास्ता प्रदान नही करने वाले विद्यालयों पर होगी कार्यवाही**

**सभी विभागों को ई-ऑफिस के माध्यम से फाइल आगे बढ़ाने के निर्देश**

**बाल संप्रेक्षण गृह की घटना की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने प्रभावी कदम उठाने हेतु अधिकारियों को किया निर्देशित**

**डीएमएफसे नियुक्त कर्मचारियों द्वारा लापरवाही बरतने पर करें दंडात्मक कार्यवाहीः- कलेक्टर**

**कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक , विभागीय कामकाज हुई समीक्षा**

कोरबा संवाददाता ।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की और

आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने टीएल के विभागवार लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की जानकारी लेते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को ई- ऑफिस के माध्यम से ही फाइल आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी विभाग आज से मैनुअल रुप में फाइल आगे नहीं बढ़ाएंगे। उन्होंने जिला कार्यालय के विभिन्न शाखाओ सहित एसडीएम , तहसील कार्यालयों एवं अन्य सभी विभागों को अपने कार्यालय में ई-ऑफिस में कार्य सुनिश्चित करने के लिए कहा। इस हेतु आवश्यकता अनुसार अधिकारी कर्मचारियों को एनआईसी के माध्यम से आवश्यक जानकारी व प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बाल संप्रेक्षण गृह से अपचारी बालकों के फरार होने वाले घटना का मजिस्ट्रेट जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही इस प्रकार की घटना की पुनरावृति पर रोक लगाने सम्बंधित अधिकारियों को प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। इस हेतु गठित निरीक्षण टीम के माध्यम से संप्रेक्षण गृह का सूक्ष्मता से अवलोकन कर खामियों को दूर करने के निर्देश दिए ।

कलेक्टर ने जिले में वयवन्दन कार्ड और आयुष्मान कार्ड निर्माण की अनुविभागवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में आयुष्मान व वयवन्दन कार्ड से वंचित हितग्राहियों के यहां डोर टू डोर जाकर उन्हें लाभान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही आधार अपडेशन के लंबित कार्य को भी शत प्रतिशत पूर्ण करने हेतु विशेष प्रयास करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सभी एसडीएम को नियमित रूप से इस कार्य की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।उन्होंने जिले में युक्तियुक्त करण की प्रक्रिया के पश्चात निर्धारित स्थान पर जॉइनिंग नहीं करने वाले शिक्षकों पर दंडात्मक कार्यवाही के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। इस दौरान ऐसे शिक्षकों की वेतन आहरण पर रोक लगाने की बात कही। उन्होंने शिक्षकों की आवश्यकता वाले स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की कार्यवाही पर पूर्ण पारदर्शिता के साथ शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर ने एसडीएम को अपने अनुविभाग स्तर पर सभी विद्यालयों में सुबह नास्ता वितरण व स्कूल, आंगनबाड़ी आश्रम -छात्रावासों में गैस सिलेंडर की उपलब्धता का भी आकस्मिक अवलोकन करने के लिए कहा। जिससे संस्थानों में इन कार्यो का उपयोगिता सुनिश्चित हो पाए। साथ ही निर्धारित समयावधि में विद्यार्थियों को नास्ता प्रदान नही करने वाले विद्यालयों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों में डीएमएफ से नियुक्त कर्मचारियों द्वारा कार्य मे लापरवाही बरतने पर सख्ती से कार्यवाही करने व सेवा समाप्त करने की बात कही। उन्होंने विभिन्न विभागों में डीएमएफसे किये जा रहे कार्यों में तेजी लाने एवं स्वीकृत जनहित के कार्यों का शीघ्रता से प्राक्कलन तैयार कर ऑनलाइन अपलोड करने के लिए कहा। जिससे इन कार्यो की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने लोकहित के कार्यो में विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने एवं लंबित कार्यो को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों में समय सीमा के लंबित प्रकरणों का जांच कर निराकरण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा श्री तन्मय खन्ना, वनमण्डलाधिकारी कटघोरा श्री कुमार निशांत, निगमायुक्त श्री आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

# नियमित अभ्यास कठिन विषयों को सरल बना देती है-प्राचार्य बी.एल.पटेल

**0 दूरस्थ क्षेत्र श्यांग के विद्यालय को मिला स्थायी प्राचार्य, विद्यार्थियों में खुषी की लहर**

**0 शासन द्वारा पदोन्नति आदेष जारी करने के बाद जिले के स्कूलों में हो रही नियमित प्राचार्य की पदस्थापना**

**0 हर साल उत्कृष्ट, अनुषासित विद्यार्थी को एक हजार रूपये देने की घोषणा**

कोरबा संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा युक्तियुक्त करण की प्रक्रिया पूरी करने के पष्चात हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में वर्षो से रिक्त प्राचार्य के पदों पर पदोन्नति सूची जारी कर पदस्थापना की जा रही है। षासन की प्रक्रिया के पष्चात एक ओर जहां जिले के अनेक विद्यालयों में नियमित प्राचार्य मिल रहे हैं, वहीं विद्यार्थियों में भी खुषी की लहर व्याप्त है। जिले के अंतिम छोर के गांव ष्यांग के हायर सेकेण्डरी विद्यालय में लंबे

समय से नियमित प्राचार्य नहीं था। गणित विषय में व्याख्याता से पदोन्नति के पष्चात आज यहां नियमित प्राचार्य के रूप में श्री बी एल पटेल ने प्राचार्य पद पर अपनी कमान सम्हाली। विद्यालय में प्राचार्य पद पर अपनी जिम्मेदारी सम्हालते ही उन्होंने विद्यालीयन स्टॉफ की बैठक लेकर विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने और गणित, विज्ञान, अंगेजी जैसे विषयों के प्रति विद्यार्थियों में रूझान लाने और परीक्षा में बेहतर परिणाम लाने की दिषा में कार्य करने की योजना बनाई। कक्षाओं में विद्यार्थियों को अध्यापन का महत्व बताते हुए प्राचार्य श्री पटेल ने अनुषासन को विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नियमित अभ्यास कठिन विषयों को सरल बना देती है। विद्यालय में सभी को अनुषासन से रहना चाहिए। उन्होंने पढ़ाई में रूचि रखने वाले उत्कृष्ट अनुषासित विद्यार्थी को हर साल सम्मान के साथ नगद एक हजार की राषि देने की घोषणा भी की।

कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत दूरस्थ ग्राम ष्यांग के हायर सेकेण्डरी विद्यालय में गणित के व्याख्याता श्री बी एल पटेल के प्राचार्य के रूप ज्वॉइनिंग के बाद खुषियां दुगनी हो गई। नये प्राचार्य ने सभी कक्षाओं में जाकर सभी को अनुषासन का न सिर्फ पाठ पढ़ाया, अपितु आगे बढ़ने और कैरियर बनाने की प्रेरणा भी दीं। प्राचार्य श्री पटेल ने विद्यार्थियों को बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्राचार्य पद पर पदोन्नति दिए जाने के बाद उन्होंने दूरस्थ विद्यालय ष्यांग को चुना है। वे गणित विषय को पढ़ाते आये हैं, उनकी मंषा है कि दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थियों को गणित का विषय कठिन न लगे और जो भी झिझक है, उसे दूर किया जाएं। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने तथा जीवन में कुछ मुकाम हासिल करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और षिक्षक के बीच किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। आप जब चाहे तब अपने सवालों को पूछ सकते हैं। उन्होंने बालिकाओं को भी नियमित स्कूल आने और ध्यान लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। प्राचार्य श्री पटेल ने विद्यालय में व्याप्त समस्याओं को दूर करने की दिषा में प्रयास करने और बेहतर परीक्षा परिणाम लाने की बात कही। उन्होंने सभी कक्षाओं में जाकर अपना न सिर्फ परिचय दिया, विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित भी किया।

## पानी टैंकर ने ली छात्रा की जान : साइकिल सवार को बचाने में गिरी छात्रा, अस्पताल ले

**कोरबा** । कोरबा में हरदी बाजार थाने से 300 मीटर दूर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौत हो गई। मृतका की पहचान 25 वर्षीय ज्योति भारद्वाज के रूप में हुई है, जो हरदी बाजार बाता गांव की रहने वाली थी। सूत्रों के अनुसार घटना उस समय हुई जब रुद्र प्रताप ज्योति को कॉलेज छोड़ने जा रहे थे। रास्ते में एक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में दोनों सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार पानी टैंकर ने ज्योति को चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल ज्योति को तुरंत हरदी बाजार स्थित स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

**हादसे के बाद टैंकर ड्राइवर मौके से फरार** हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर (क्रमांक सीजी 11 ए जेड 0466) को जब्त कर लिया है। हरदी बाजार चैकी पुलिस ने चालक के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अस्पताल में भर्ती होने के दौरान ज्योति ने अपने पिता से मिलकर बचाने की गुहार लगाई थी। वह हरदी बाजार कॉलेज में अपनी पढ़ाई कर रही थी।

## तिलकेजा में उपभोक्ता जागरूकता शिविर संपन्न

**(कोरबा)** राज्य उपभोक्ता आयोग रायपुर के निर्देशानुसार शनिवार 30 अगस्त को जिला उपभोक्ता आयोग कोरबा द्वारा ग्राम तिलकेजा के पंचायत भवन में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रंजना दत्ता, सदस्यगण सुश्री ममता दास एवं श्री पंकज कुमार देवड़ा द्वारा उपभोक्ता कानून की जानकारी उपस्थित ग्रामीणों को प्रदान कर ई हियरिंग एवं ई-फाइलिंग के संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि अब आमजन को उपभोक्ता कानून का लाभ प्राप्त करने के लिए जिला आयोग की दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और आप घर बैठे ही की जागृति पोर्टल के द्वारा अपने मोबाइल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्पाद और सेवाओं से जुड़ा प्रत्येक मुद्दा जिसमें उपभोक्ता को किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है वह उपभोक्ता कानून के अंतर्गत आता है। ऐसी स्थिति में आम उपभोक्ता बीमा, फसल बीमा, बैंकिंग सुविधा, ऑनलाइन फ्राड

के बारे में जानकारी दी, कोचिंग संस्थान एवं निर्माण कार्य एजेंसियों के विरुद्ध आयोग के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता के रूप में अधिवक्तागण श्रीमती अरूणा श्रीवास्तव, सुमन साहू, एवं श्री श्रीनिवास द्वारा उपभोक्ता अधिकार पर अपना वक्तव्य दिया गया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती तेरस बाई कंवर, विधायक प्रतिनिधि देवमूरत कंवर, राम मनोहर सोनी अधिवक्ता, पंच जमुना बाई, किषन साव, पूर्व उपसरपंच अषोक पाण्डेय, मनी हलवाई रेंजर फारेस्ट, नरोत्तम धीवर एवं ग्रामीण जन तथा जिला उपभोक्ता आयोग के कर्मचारीगण रामनारायण पटेल, मनीराम श्रीवास, राजेश्वर राव इंग्ले, संजय कुमार शर्मा उपस्थित थे।

## कलेक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की हुई समीक्षा बैठक

**0 अविवादित नामांतरण के प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने हेतु सभी तहसीलदारों को किया निर्देशित**

**0 3 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को शीघ्रता से निराकृत करने के दिए निर्देश**

**0 शासकीय पट्टे, भू अर्जन व खनिज प्रभावित क्षेत्रों के खसरे में अहस्तांतरणीय दर्शाना करें सुनिश्चित**

**कोरबा संवाददाता।** कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उन्होंने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित सभी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में

अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा श्री तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, सभी एसडीएम, प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख, अधीक्षक भू अभिलेख, सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने तहसीलवार अविवादित विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा बटांकन, अभिलेख शुद्धता, ई-कोर्ट प्रकरण सहित सभी राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की।अविवादित नामांतरण के आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित प्रकरणों के निराकरण में सभी तहसीलदारों को विशेष प्रयास करने एवं गम्भीरता से प्रगति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने तीन वर्ष या उससे अधिक समय से लंबित भू अर्जन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों को शीघ्रता से निराकृत करने की बात कही। साथ ही नक्शा बटांकन कार्य में भी तत्परता से कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई.प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 174546/निविदा सूचना क्र. 16/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 03.09.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 22.09.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम – जिला एवं विकासखंड बस्तर के ग्राम बनियागांव के समीप मारकण्डी नदी पर बनियागांव स्टापडेम सह रपटा का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत – रू. 536.12 लाख
(एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 10.09.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

G-252603267/3

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

# कलेक्टर ने खाद्यान्न वितरण की सुचारू व्यवस्था के लिए अधिकारियों की ली बैठक

**समय पर खाद्यान्न आबंटन एवं भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने दिए निर्देश**

**ईकेवाईसी से छूटे सदस्यों का केवाईसी पूर्ण करने व संदिग्ध राशनकार्डधारियों का जांच करने के दिए निर्देश**

**खाद्यान्न वितरण में अनियमितता बरतने वाले संचालको पर वसूली कार्यवाही करने हेतु किया निर्देशित**

**बारदाना संग्रहण कार्य भी समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश**

कोरबा

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले में खाद्यान्न वितरण व भंडारण की सुचारू व्यवस्था हेतु खाद्य व नागरिक आपूर्ति निगम

के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जिले में समय पर खाद्यान्न का आबंटन एवं दूरस्थ, पहुँचविहीन क्षेत्रो में खाद्यान्न के भंडारण में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस हेतु खाद्य व नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने एसडीएम को अपने क्षेत्रों में पीडीएस के भंडारण व वितरण पर निगरानी रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकानों में पात्रतानुसार पीडीएस का आबंटन की बात कही। साथ ही माह के अंतिम दिवस तक खाद्यानों का भंडारण पूर्ण कराने के लिए कहा जिससे आगामी माह के 01 तारिख से खाद्यान्न वितरण प्रारम्भ हो सके। उन्होंने खाद्यान्न उठाव के 72 घण्टे के भीतर ट्रांसपोर्टर द्वारा पीडीएस का उचित मूल्य दुकानों में भंडारण सुनिश्चित कराने की बात कही। इस कार्य का एसडीएम को मॉनिटरिंग करने के लिए कहा। उन्होंने राशनकार्ड धारी परिवारों के सदस्यों का ईकेवाईसी भी शीघ्रता से पूर्ण कराने अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही संदिग्ध राशनकार्डधारियों का जांचकर गम्भीरता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के उचित मूल्य दुकान से अधिक दूरी एवं पहुँचविहीन बसाहटों, पारा, मोहल्लों में खाद्यान्न पहुँचाकर हितग्राहियों को वितरित करने की बात कही।

साथ ही खाद्यान्न वितरण में अनियमितता बरतने वाले पीडीएस संचालकों पर नियमित तौर पर वसूली सहित अन्य कार्यवाही करने निर्देशित किया। उन्होंने धान खरीफ के समय बारदानों की उपलब्धता हेतु पीडीएस बारदानों का संग्रहण कार्य भी सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा श्री तन्मय खन्ना, सभी एसडीएम खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

## प्रोजेक्ट सहारा- दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आरंग में विशेष शिविर, 172 लोगों को मिला लाभ

**रायपुर ।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार आज आरंग के टाउनहॉल में प्रोजेक्ट सहारा के तहत दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक दिवसीय आंकलन शिविर का सफल आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग और नगर पालिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।दिल्ली से आए विशेषज्ञों की उपस्थिति में शिविर में आए लाभार्थियों के दस्तावेजों का मूल्यांकन किया गया। इसके आधार पर 172 पात्र हितग्राहियों को सहायता उपकरणों के लिए चयनित किया गया। शिविर में 127 दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के यू.डी.आई.डी. कार्ड, 57 नए दिव्यांग प्रमाण पत्र तथा 6 दिव्यांग राशन कार्ड बनाए गए। यू.डी.आई.डी. कार्ड के माध्यम से दिव्यांगजन अब कृत्रिम अंग, छात्रवृत्ति, सहायक उपकरण जैसी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

### प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक 325 महिलाओं की हुई कैंसर स्क्रीनिंग

**रायपुर ।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन की नवाचार पहल प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक कुल 325 महिलाओं की कैंसर की स्क्रीनिंग की गई है।इस निःशुल्क कैंसर स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख (ओरल), स्तन (ब्रेस्ट) तथा गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के स्क्रीनिंग की जा रही है। प्रोजेक्ट रक्षा, जिला प्रशासन द्वारा बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए संचालित किया जा रहा है, जिससे समय रहते बीमारी का पता चलने पर जीवन बचाना आसान हो सके।

## 28 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 7 लाख रुपए जब्त, दो आरोपी भी गिरफ्तार

### आबकारी टीम रायपुर एवं रेलवे सुरक्षा बल रायपुर की संयुक्त कार्यवाही

**रायपुर ।** सचिव सह आबकारी आयुक्त सुश्री आर संगीता, कलेक्टर रायपुर श्री गौरव सिंह के निर्देश एवं प्रभारी उपायुक्त आबकारी श्री राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग जिला रायपुर द्वारा रेलवे सुरक्षा बल रायपुर के सहयोग से दिनांक 02/09/2025 को सर्कुलेटिंग एरिया रेलवे स्टेशन रायपुर में सलून साइडिंग ऑफिस के पिछले गेट के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों अनीश कुमार एवं आयुष कुमार सिंह के कब्जे के 01 ट्राली बैग एवं 01 पिट्ठू बैग की तलाशी में 11 पैकेट में भरा हुआ कुल 28 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 7 लाख रुपए जब्त किया गया तथा आरोपियों को गिरफ्तार कर आबकारी वृत्त सिविल लाइन प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी टेक बहादुर कुर्रे द्वारा स्वापक औषधि एवं मनोःप्रभावी पदार्थ अधिनियम एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया7 उक्त कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक प्रकाश देशमुख, आबकारी उपनिरीक्षक कौशल सोनी , आबकारी मुख्यआरक्षक सुनीता गर्ग , आबकारी आरक्षक राकेश दुबे , विवेक श्रीवास्तव एवं रेलवे सुरक्षा बल रायपुर के निरीक्षक कर्मपाल सिंह गुर्जर , उपनिरीक्षक डी. के. शास्त्री , सउनि एल. पी. देवांगन एवं अन्य बल सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### राजधानी में पकड़ाया फर्जी क्राईम ब्रांच अधिकारी

## 0 खुद को फर्जी क्राईम ब्रांच अधिकारी बताकर होटल कारोबारी से कर रहा था वसूली

**रायपुर,** )। राजधानी रायपुर पुलिस ने खुद को फर्जी क्राईम ब्रांच अधिकारी बताकर होटल कारोबारी से वूसली करने का प्रयास करने वाले एक फर्जी अफसर को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि राजधानी में ड्रग्स रैकेट के अंतर्राज्यीय गिरोह के पकड़े जाने के बाद से ड्रग्स और उससे जुड़े मामलों की जांच तेज हो गई है। इस बीच कुछ ठग सक्रिय हो गए हैं, जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर वसूली करने में जुटे हैं। ऐसे ही एक मामले पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया जो खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर एक होटल कारोबारी से पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहा था। आरोपी का नाम आशीष घोष उर्फ आशीष शर्मा बताया जा रहा है। उसने होटल कारोबारी को धमकाते हुए कहा कि वह उसके छोटे भाई के मामले को निपटा देगा, लेकिन इसके बदले 5 लाख रुपए देने होंगे। संदेह होने के बाद कारोबारी ने पुलिस को सूचना दी। और सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) का फर्जी पहचान पत्र, एक कार जिसमें पुलिस की सायरन लगी थी और गंज थाना की फर्जी सरकारी सील भी बरामद की गई। इतना ही नहीं, वह थाना प्रभारी की तरह खुद से दस्तखत भी करता था। बताया जा रहा है कि आशीष पर कुल 30 लाख रुपए तक की वसूली करने के प्रयास का आरोप है। वह न केवल आम लोगों को बल्कि एएसआई और महिला आरक्षकों को भी ब्लैकमेल करने की कोशिश करता था। फिलहाल क्राइम ब्रांच की टीम उससे पूछताछ कर रही है।

# मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन, टावर में मौजूद सभी लोगों को सुरक्षित निकाला गया

### रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल जाबांज युवाओं को कलेक्टर-एसएसपी ने किया सम्मानित

### कलेक्टर ने कहा कि ऐसे जाबांज युवा समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत

**रायपुर।** राजधानी के बेबीलॉन टावर में बीते रात अचानक आग लगने की घटना पर जिला प्रशासन-पुलिस और विशेष कर कुछ साहसी युवाओं के प्रयासों और सूझबूझ से बिना जनहानि के काबू पा लिया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरोस् को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने आज सम्मानित किया। गौरतलब है कि बेबीलॉन टावर में आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन को त्वरित रूप से राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को यह विशेष रूप से हिदायत दी थी कि इस अग्नि दुर्घटना में जनहानि न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बेबीलॉन टावर में आग लगने की सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक

डॉ. लाल उम्मेद सिंह, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अग्निशमन का अमला तेजी से मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य जुट गया। बेबीलॉन टावर में फंसे लोगों को समय रहते ही सुरक्षित निकाल लिया गया है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते इस दुर्घटना में जनहानि नहीं हुई। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री और सीएम सचिवालय के अधिकारी पल-पल की जानकारी लेते रहे। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरो को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने शॉल और किताब देकर सम्मानित किया और कहा कि यह सारे लोग समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हमारे शहर के गौरव हैं, जिन्होंने अपने जान की परवाह किए बिना फंसे लोगों को बचाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। इनमें श्री सोमेश साव, श्री देवाशीष बरिहा, श्री आकाश साहू, श्री विशाल यादव, श्री अभिषेक सिन्हा श्री ए.वेनूगोपाल शामिल थे। जिला सेनानी अधिकारी श्री पुष्पराज सिंह, तेलीबांधा थाना टीआई सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने भी इस दुर्घटना की रोकथाम और बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि इन जांबाज़ बच्चों ने अपने समाज की संस्कृति और परिवार के संस्कारों को प्रदर्शित किया है कि कठिन परिस्थितियों में अपनी चिंता न कर दूसरों की चिंता करें एवं इनके माता-पिता वंदनीय हैं जिन्होंने अपनी संतानों की इतनी अच्छी परवरिश की, जो अपने समाज के समक्ष उदाहरण बनकर उभरें हैं। कलेक्टर ने कहा कि कल रात घटना की जानकारी मिली तो एसएसपी और मैं एयरपोर्ट में थे। चूंकि मुख्यमंत्री श्री साय का आगमन होना था। मुख्यमंत्री ने हमें तुरंत घटना स्थल पर जा कर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुड़ जाने का निर्देश दिए। इसके तुरंत बाद घटना स्थल पर पहुंच गए। उस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, एडीएम श्री उमाशंकर बंदे, एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे, जिला सेनानी अधिकारी श्री पुष्पराज सिंह, तेलीबांधा थाना टीआई और सहित प्रशासनिक अमला और एसडीआरएफकी टीम आग बुझाने के काम में डटे थे। रेस्क्यू टीम ने आग लगे स्थल से एक दिव्यांग व्यक्ति को गोद में लेकर बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पहले एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे और जिला सेनानी श्री पुष्पराज सिंह घटना स्थल पहुंच गए। परिस्थियों को देखते हुए वे दोनो टीम के साथ 7वे माले पर पहुंच गए और उपस्थित लोंगो को समझाया कि घबराएं नही और सावधानी बरते हुए सीढ़ियों से बाहर निकलने का रास्ता बताया, जिससे सभी लोग सुरक्षित तरीके से बाहर निकल आए। श्री सोमेश साव ने बताया कि उनके मित्र ने फोन कर आगजनी की सूचना देकर सहायता करने को कहा वे 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पहुंच गए। वहां पहुंच कर बेसमेंट में मौजूद फायर एक्यूपमेंट को इकठ्ठा किया और सीढ़ियों से उपर चढते हुए सभी फ्लोर पर लगे आग बुझाते चले गए। उन्होंने नगर निगम कर्मचारी श्री ए. वेनूगोपाल, जो फायर ब्रिगेड में थे, उन्होंने उन युवाओं को गीले कपड़े के मास्क के रूप में उपयोग करने को कहा।

## बलरामपुर जिले में लुत्ती (सतबहिनी) डैम हादसे पर मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बलरामपुर जिले के ग्राम धनेशपुर स्थित लुत्ती (सतबहिनी) डैम टूटने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। इस हादसे में 4 लोगों की मृत्यु, 3 लोगों के घायल होने तथा 3 लोगों के लापता होने की सूचना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत दुखद और पीड़ादायी घटना है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी वर्षा के कारण उत्पन्न इस प्राकृतिक आपदा से जनहानि के साथ-साथ भवनों को क्षति पहुँची है, फसलों का नुकसान हुआ है और पशुहानि भी हुई है। यह स्थिति प्रभावित परिवारों के लिए बेहद कठिन और दुखदायी है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि इस कठिन घड़ी में प्रदेश सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ी है।

उन्होंने बताया कि राहत और बचाव कार्यों के लिए जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय टीमें पूरी तत्परता से जुटी हुई हैं। घायलों के उपचार की समुचित व्यवस्था कराई गई है तथा लापता लोगों की खोज के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घटना में हुई जनहानि के लिए शासकीय नियमों के अनुरूप अनुग्रह सहायता स्वीकृति का प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाए। प्रभावित परिवारों को अस्थायी आश्रय, खाद्यान्न और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाए। साथ ही मकान, फसल और पशुहानि का विस्तृत सर्वे कर शीघ्र राहत सुनिश्चित की जाए।

## हर्बल उत्पाद के प्रचार-प्रसार में संलग्न शिक्षिका निलंबित

**रायपुर।** जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग ने वेब पोर्टल पर प्रकाशित समाचार ÷दुर्ग में शिक्षक बने हर्बल गुरू, स्कूल की जगह अब फिटनेस और फार्मूला बेचने में व्यस्त÷ को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई गई। जांच में यह मिला कि कुछ शिक्षक हर्बल उत्पादों के प्रचार-प्रसार, हर्बल लाइफ सदस्यता दिलाने, स्कूल समय में ऑफिस मीटिंग करने तथा ऑनलाइन सेशन लेने में संलग्न पाए गए, जिससे शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रभावित हो रही थीं।

जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, धमधा ने शासकीय विद्यालयों में पदस्थ श्री लोमन वर्मा, व्याख्याता (शास.उ.मा.वि. घोटवानी), श्री बलदाउ पटेल, सी.ए.सी. संकुल केन्द्र बोरी (मूल पद-शिक्षक एल.बी.), श्री मुकेश चतुर्वेदी, शिक्षक (एल.बी.) शास. पूर्व माध्यमिक शाला दनिया एवं श्रीमती खिलेश्वरी चतुर्वेदी, सहायक शिक्षक शासकीय प्राथमिक शाला फुण्डा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से हर्बल उत्पादों के प्रचार-प्रसार में संलग्न पाए गए। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने श्रीमती खिलेश्वरी चतुर्वेदी, सहायक शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही, श्री लोमन वर्मा, व्याख्याता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु अनुशंसा सहित प्रस्ताव संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, नवा रायपुर को प्रेषित किया गया है।

## उर्वरक के अवैध विक्रय और कालाबाजारी पर प्रशासन की सख्ती

### धुरवागुड़ी में 520 बोरी यूरिया जब्त

**रायपुर।** कृषकों को शासन द्वारा निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा उर्वरक के अवैध परिवहन, कालाबाजारी और मुनाफाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन गरियाबंद द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री भगवान सिंह उइके के निर्देश एवं उप संचालक कृषि श्री चंदन रॉय के मार्गदर्शन में सहायक संचालक कृषि श्री अनिल कुमार कौशिक एवं उर्वरक निरीक्षक दल द्वारा मैनपुर विकासखण्ड के मेसर्स राजेन्द्र खाद भंडार धुरवागुड़ी और मेसर्स सिद्धि विनायक कृषि केन्द्र गोहरापदर का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान मेसर्स राजेन्द्र खाद भंडार धुरवागुड़ी द्वारा कृषकों को निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय करना, अघोषित परिसर में भंडारण करना, मूल्य सूची प्रदर्शित न करना, नगद एवं उधार का ज्ञापन जारी न करना तथा आवश्यक अभिलेखों का संधारण नहीं करना पाया गया। इसे उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए संस्थान में उपलब्ध 520 बोरी यूरिया जब्त कर विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई की गई। खाद भण्डार के संचालक को 03 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा संबंधित संस्थान का उर्वरक प्राधिकार पत्र 07 दिवस के लिए निलंबित कर दिया गया है।

## कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक, 3 से 16 सितंबर तक कृषक रजत संवाद कार्यक्रम का होगा आयोजन

### कलेक्टर एवं एसएसपी ने आम जनता से की हेलमेट उपयोग करने की अपील

**रायपुर ।** कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले में क्रियान्वित होने वाले शासकीय योजनाएं और विभिन्न प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने लंबित राजस्व एवं लोकसेवा गारंटी के प्रकरण के निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ सिंह ने आम नागरिकों से आग्रह किया कि दो पहिया चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें और इससे आप सड़क दुर्घटना में होने वाले गंभीर चोटों से बच पाएंगे। एसएसपी डॉ सिंह ने कहा कि आम नागरिकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें और यह प्रयास करें कि इसके लिए शहर के अलग अलग क्षेत्रों में सामाजिक संस्थाओं को छोटी-छोटी जागरूकता रैली निकालने का आग्रह करे। जिसमें संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व अधिकारी सहित पुलिस के अधिकारी शामिल हो सकते है। ऐसे प्रयासों से यह जन अभियान के रूप में सामने आएगा और अधिक से अधिक लोग हेलमेट पहनेंगे और होने वाले दुर्घटना से बच पाएंगे। बैठक में पुलिस विभाग द्वारा शहर में नशे के बड़े रैकेट पर कार्रवाई कर संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने के लिए डॉ लाल उम्मेद सिंह सहित पूरे विभाग को कलेक्टर डॉ सिंह एवं अन्य जिला अधिकारियों ने बधाई दी। कलेक्टर ने बताया कि 3 सितंबर से 16 सितंबर तक कृषक रजत संवाद कार्यक्रम सभी सोसायटी में किया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)